RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 22 ▪ अंक - 31 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 23-08-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 मोदी सरकार ने जनता का भरोसा खोया: अशोक गहलोत

6 एक गोली, एक फैसला... पुलवामा में खूंखार आतंकवादी को किया धराशायी

7 जानवरों को टारगेट करना बंद करो : दिव्या दत्ता

फर्स्ट टेक

तीसा-गायत्री ने जीता विश्व चैंपियनशिप का पहला कांस्य पदक

नई दिल्ली/भाषा। त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का शानदार सफर शनिवार को दुनिया की नंबर एक और मौजूदा चैंपियन चीन की लियू शेंग शू और तान निंग की जोड़ी के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के साथ खत्म हुआ लेकिन भारतीय जोड़ी ने पहली बार विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। गैर वरीय भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहला गेम 21-18 से जीत लिया। लेकिन इसके बाद चीनी जोड़ी ने वापसी की और अगले दोनों गेम 21-13, 21-8 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच एक घंटे 11 मिनट चला। भारत ने महिला युगल में आखिरी बार विश्व चैंपियनशिप का पदक 2011 में जीता था, तब ज्वाला गुट्टा और अश्विनी पोनप्पा ने लंदन में कांस्य पदक जीता था।

भीड़ में घुसी बस, पांच की मौत, कई घायल

पटना/भाषा। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग ले रहे लोगों की भीड़ में एक बस के घुस जाने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह घटना शुक्रवार रात लगभग पौने 11 बजे लौरिया थाना क्षेत्र के पराऊ टोला में लौरिया मार्ग पर हुई। नरकटियागंज के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अजय प्रकाश सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''एक ट्रक से आमने-सामने की टक्कर से बचने की कोशिश में बस सड़क किनारे एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग ले रहे लोगों की भीड़ में घुस गई। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए।'' उन्होंने बताया कि घटना के बाद कार्यक्रम स्थल पर भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। सिंह ने बताया कि बेतिया जाने वाली बस उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से आ रही थी।

हैदराबाद में निर्माणाधीन इमारत गिरने से दो लोगों की मौत

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद के गचीबोवली इलाके में शनिवार को एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत के ढह जाने से कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। बचाव अभियान में शामिल एक दमकल अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि ढही हुई इमारत का मलबा हटाने के दौरान दो शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि हादसे में पास की एक इमारत में मौजूद एक व्यक्ति घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सूर्यास्त 23-07-2026 6:37 बजे | सूर्योदय 24-08-2026 6:10 बजे

BSE	NSE
77,540.83	24,252.00
(+3.11)	(+20.16)

सोना	चांदी
16,528 रु.	253,361 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

नितिन नवीन ने भाजपा की नई राष्ट्रीय टीम के साथ की पहली बैठक

चुनावी रणनीति पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ शनिवार को पहली बैठक की जिसमें चुनावी रणनीति और जमीनी स्तर पर जनसंपर्क को लेकर चर्चा की गई। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, बैठक में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों, बूथ स्तर पर पार्टी को मजबूत करने और सरकार की योजनाओं एवं पहलों को जनता तक पहुंचाने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने बताया कि दिन में और बैठकें प्रस्तावित हैं, जिनमें भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष और राज्य प्रभारी शामिल होंगे। भाजपा ने इस सप्ताह की शुरुआत में नितिन नवीन के नेतृत्व में नई राष्ट्रीय टीम की घोषणा की थी। इसमें कुल 65 पदाधिकारी शामिल हैं, जिनमें 51 नए चेहरे हैं।

नई टीम में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व पदाधिकारी राम माधव सहित 13 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। वहीं, पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को आठ राष्ट्रीय महासचिवों में से एक नियुक्त किया गया है। बी.एल. संतोष को राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) पद पर बरकरार रखा गया है, जबकि विनोद तावड़े और सुनील बंसल महासचिव पद पर हैं। भाजपा की नई टीम में 12 महिलाएं और अल्पसंख्यक समुदायों से जुड़े छह नेता शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल को पार्टी का राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले भी वह मई 2014 में नरेन्द्र मोदी सरकार के गठन से पहले इस पद पर रह चुके हैं। भाजपा ने अपने सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय को पद से हटाकर उनकी जगह छत्तीसगढ़ के दीपक म्हास्के को नियुक्त किया है। वहीं, गुजरात के हेमांग जोशी को पार्टी युवा मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने लोकसभा सांसद तेजस्वी सूर्या का स्थान लिया है। यह संगठनात्मक बदलाव वर्ष 2015 में तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के कार्यकाल में हुए बड़े फेरबदल के बाद एक दशक से अधिक समय में सबसे बड़ा बदलाव है। इस फेरबदल के बाद संभावित केंद्रीय मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर भी अटकलें तेज हो गई हैं।

'वंदे मातरम्' पर कांग्रेस के निर्णय की आलोचना

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने वंदे मातरम् के केवल दो अंतरे गाने के कांग्रेस के फ़ैसले की शनिवार को एक प्रस्ताव पारित करके निंदा की और कहा कि वह राजनीतिक सहूलियत या तुष्टिकरण के लिए राष्ट्रगीत के सम्मान से कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगी। भाजपा ने यहां अपने नए पदाधिकारियों की बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा कि कांग्रेस देश के संवैधानिक संस्थानों या कानूनों को दरकिनार नहीं कर सकती। भाजपा ने घोषणा की कि वह 'वंदे मातरम' की महत्ता को देश के हर कोने तक पहुंचाने के लिए एक अभियान शुरू करेगी। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बैठक की अध्यक्षता की तथा बाद में 'एक्स' पर प्रस्ताव साझा किया। भाजपा का प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बुधवार को अपने 1937 के प्रस्ताव को मानने का फैसला किया। इसके तहत अब पार्टी के सभी कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के सिर्फ दो ही अंतरे गाये जायेंगे। नवीन ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी ने आज, 22 अगस्त 2026 को, 'वंदे मातरम' के सम्मान और उसकी ऐतिहासिक विरासत को संजोकर रखने के संबंध में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया।'' उन्होंने कहा कि भाजपा कांग्रेस कार्य समिति के 19 अगस्त, 2026 के उस फैसले की कड़ी निंदा और स्पष्ट तौर पर ''विरोध' करती है।

अमित शाह ने सिलीगुड़ी कॉरिडोर की सुरक्षा का जायजा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलीगुड़ी/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को पश्चिम बंगाल और केंद्रीय बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में देश की पूर्वी सीमाओं पर सुरक्षा का जायजा लिया गया और मुख्य रूप से सिलीगुड़ी कॉरिडोर पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सिलीगुड़ी कॉरिडोर को 'चिकन नेक' भी कहा जाता है। उन्होंने बताया कि बैठक का मुख्य मकसद सीमा पर निगरानी बढ़ाना, केंद्रीय सुरक्षा बलों, खुफिया एजेंसियों और राज्य पुलिस व प्रशासन के बीच तालमेल बेहतर करना तथा 'ट्रायंगुलर सिक्योरिटी ग्रिड' बनाने के लिए एक रूपरेखा तैयार करना था।

गृह मंत्री शाह के राज्य के दौरे के तीसरे और आखिरी दिन सिलीगुड़ी के पास सुकना में हुई अहम चर्चा में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। ये बैठक इसलिए भी अहम थी क्योंकि सिलीगुड़ी नेपाल, भूटान और बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के पास है और यहां से गुजरने वाला संकरा कॉरिडोर पूर्वोत्तर और देश के बाकी हिस्सों के बीच जमीन के रास्ते मुख्य संपर्क का काम करता है।

वोट रेस

केरल के अल्लापुझा जिले की पुन्नमदा झील में शनिवार को 72वीं नेहरू ट्रॉफी बोट रेस के उद्घाटन के दौरान केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन और कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार्। इस अवसर पर केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला भी उपस्थित रहे।

निवारक स्वास्थ्य सेवा 'भविष्य का मॉडल' है : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नोएडा/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को निवारक स्वास्थ्य सेवा को स्वास्थ्य व्यवस्था का ''भविष्य का मॉडल'' बताया और कहा कि रोग के बदलते स्वरूप, इलाज खर्च के बढ़ने और भारत की बढ़ती बुजुर्ग आबादी को देखते हुए स्वास्थ्य क्षेत्र का ध्यान समय रहते बीमारी की पहचान और उसकी रोकथाम पर केंद्रित करना होगा। नोएडा में ''महाजन इमेजिंग एंड लैब्स' की एक इकाई के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, गुर्दे की विफलता और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं जैसी गैर-संचारी बीमारियां तेजी से बड़ी स्वास्थ्य चुनौतियां बन रही हैं।

उन्होंने कहा, ''ये बीमारियां एक दिन में विकसित नहीं होतीं। ये वर्षों के दौरान धीरे-धीरे शरीर में बढ़ती हैं। बढ़ा हुआ रक्त शर्करा स्तर, उच्च कोलेस्ट्रॉल, फैटी लिवर और सीमा के करीब रक्तचाप जैसे संकेत खतरे की घंटी हैं। स्वास्थ्य सेवा का भविष्य इन संकेतों की समय रहते पहचान में है।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि निवारक स्वास्थ्य सेवा आर्थिक रूप से भी लाभदायक है, क्योंकि गंभीर अवस्था में पहुंच चुकी बीमारियों के इलाज में लाखों रुपये खर्च हो सकते हैं, जबकि वार्षिक स्वास्थ्य जांच, जीवनशैली संबंधी सलाह, शुरुआती जांच और सामान्य दवाओं पर कुछ सौ या हजारों रुपये ही खर्च होते हैं। उन्होंने कहा, ''जैसे-जैसे स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ेगा, सरकार, बीमा कंपनियां और नियोक्ता सभी चाहेंगे कि बीमारियों को शुरुआती चरण में ही रोका जाए।'' सिंह ने निवारक स्वास्थ्य मॉडल अपनाने की एक वजह जनसांख्यिकी बदलाव को भी बताया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत की आबादी में युवाओं की संख्या अधिक है, लेकिन 2050 तक देश की बड़ी आबादी बुजुर्गों की होगी। उन्होंने कहा, ''अगर हम अभी निवारक मॉडल नहीं अपनाते हैं तो भविष्य में अस्पतालों पर दबाव स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि निवारक स्वास्थ्य सेवा ''राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा'' से जुड़ा विषय भी है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल बीमारी सामने आने के बाद उसका इलाज करना नहीं होना चाहिए, बल्कि बीमारी की रोकथाम, समय रहते पहचान, जोखिम का आकलन और व्यक्ति विशेष के अनुरूप स्वास्थ्य देखभाल को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों में अपनी बीमारियों के निदान के लिए इंटरनेट और चैटजीपीटी का सहारा लेने की बढ़ती प्रवृत्ति के बारे में भी बात की और हल्के-फुल्के अंदाज में बताया कि कैसे ग्रामीण इलाकों में मरीज अक्सर चिकित्सकों के समक्ष लक्षणों का वर्णन इस तरह से करते हैं जिससे निदान चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सिंह ने कहा कि अगर किसी को छाती में हल्का दर्द हो, तो वह इंटरनेट पर इसके लक्षण खोजकर यह मान सकता है कि उसे ''दिल की कोई गंभीर'' बीमारी है, जबकि ऐसा दर्द एंग्जायटी या मांसपेशियों की समस्याओं की वजह से भी हो सकता है।

देश में करीब 8.7 करोड़ युवा न पढ़ाई कर रहे, न रोजगार में हैं और न ही प्रशिक्षण ले रहे : नीति आयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के करीब 8.7 करोड़ युवा ऐसे हैं, जो न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न रोजगार में हैं और न ही किसी तरह का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करने और स्थानीय जरूरतों तथा उभरते क्षेत्रों के अनुरूप प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के लिए सब्सिडी वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की तत्काल जरूरत पर जोर दिया गया है। नीति आयोग ने विकसित भारत 2047 के लिए कौशल विकास की नयी कल्पना' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा कि यह अनुमान वर्ष 2021 में किए गए राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (78वें दौर) के आंकड़ों पर आधारित है।

आयोग ने देश के कार्यबल और शिक्षार्थियों को बेहतर प्रभाव के लिए पांच वर्गों में बांटा है। इनमें स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, औपचारिक एवं अनौपचारिक तथा शिक्षा, रोजगार और प्रशिक्षण नहीं लेने वाले युवाओं का वर्ग और महिलाएं शामिल हैं। नीति आयोग ने कहा, शिक्षा, रोजगार और प्रशिक्षण नहीं लेने वाले युवा आय के अभाव और पहले की शिक्षा पर हुए खर्च के कारण कई चुनौतियों का सामना करते हैं। विद्यार्थी अक्सर अपनी मौजूदा आर्थिक जिम्मेदारियों के साथ शुल्क आधारित कौशल प्रशिक्षण प्राप्त नहीं कर पाते हैं।

रूस, यूक्रेन के हमलों में पांच लोगों की मौत

कीव/एपी। यूक्रेन में रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, यूक्रेन के ड्रोन हमले में रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में दो अन्य लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह हमला यूक्रेन के एक शॉपिंग सेंटर पर हुए हमले के एक दिन बाद हुआ, जिसमें 16 लोगों की जान गई थी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि नये हमलों में राजधानी कीव में बैलिस्टिक मिसाइल के रेलवे ढांचे पर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने एक लोकोमोटिव डिपो को निशाना बनाया।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बाप रे बाप

चपरासी पद पर आवेदक,
बीए एमए यार बाप रे !
अभियंता अब बने मिस्त्री,
डॉक्टर है बीमार बाप रे !
खातों में बैलेन्स नहीं पर,
लिंक हुआ आधार बाप रे !
आश्वासन में ढूंढ रहे हैं,
युवा रोज रुजगार बाप रे!!

भरोसेमंद न्यायिक फैसलों से आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए 'न्याय-नॉमिक्स' जरूरी : सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि देशों से जिस बड़े पैमाने पर आर्थिक वृद्धि बनाए रखने की उम्मीद की जाती है, वह केवल भौगोलिक स्थिति या संसाधनों के बूते संभव नहीं है तथा लगातार भरोसेमंद न्यायिक फैसलों के जरिए सभी को समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए 'न्याय-नॉमिक्स'' (न्याय के अर्थशास्त्र) की जरूरत है। प्रधान न्यायाधीश ने यहां '11वें ब्रिक्स प्लस लीगल फोरम' को संबोधित करते हुए कहा कि संस्थाएं आर्थिक वृद्धि के इर्द-गिर्द खड़ा किया गया कोई अस्थायी ढांचा नहीं, बल्कि उसकी बुनियाद हैं। इस मंच का विषय आर्थिक मजबूती, नवोन्मेष और स्थिरता के लिए कानून के शासन की रूपरेखा एवं 'संस्थागत क्षमता निर्माण' था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि भारत की प्रगति में मजबूत संस्थाओं की अहम भूमिका है और इनमें न्यायपालिका की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है तथा यही बात 'ब्रिक्स प्लस' देशों पर भी लागू होती है।

उन्होंने कहा, ''हमारे देशों से जिस बड़े पैमाने पर आर्थिक वृद्धि बनाए रखने की उम्मीद है, वह केवल अनुकूल भौगोलिक स्थिति या संसाधनों के सहारे संभव नहीं है। इसके लिए ऐसी मजबूत संस्थाओं का होना जरूरी है, जिन पर भरोसा किया जा सके। शायद आंकड़े इस बात को शब्दों से बेहतर ढंग से स्पष्ट कर सकते हैं।'' प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''न्याय-नॉमिक्स यानी सरल शब्दों में न्याय का अर्थशास्त्र। न्यायिक फैसलों में निरंतरता और न्याय प्रक्रिया पर भरोसा लेन-देन की लागत कम करता है। इससे बाजार में सभी को बराबरी का अवसर मिलता है और आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।'' उन्होंने कहा कि भारत समेत 'ब्रिक्स प्लस' की किसी भी अर्थव्यवस्था ने केवल प्राकृतिक संसाधनों के बल पर प्रगति नहीं की है और इन देशों का विकास इस बात पर भी निर्भर करता है कि वहां किए गए वादों एवं समझौतों को कितनी प्रभावी तरीके से लागू किया जाता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''अगर आज आप अपनी शब्दावली में एक नया शब्द शामिल करना चाहें तो वह न्याय सेतु' होना चाहए। यह ऐसा सेतु है जो 11 अलग-अलग कानूनी परंपराओं को जोड़ता है। इन सभी की यह साझा सोच है कि भरोसा अपने आप बनने का इंतजार नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि उसे लगातार प्रयासों से मजबूत किया जाना चाहिए।''

प्रार्थना करने से शान्ति मिलती है : ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हीराबाग जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित ज्ञानमुनिजी व लोकेशमुनिजी के सान्निध्य में विभिन्न तप आराधनाएं गतिमान हैं। शनिवार को ज्ञानमुनिजी ने कहा कि प्रार्थना करने से शान्ति मिलती है। भगवान हमसे दूर नहीं है, हमारे पास है। बस हमारे पास उन्हें पाने की कला नहीं है। स्वाध्याय करने से मनुष्य ज्ञानी बन सकता है। एक साधारण इंसान भी अपने आप में बहुत बड़ा महापुरुष बन सकता है। श्रद्धा भक्ति भाव से साधु संतों के सान्निध्य में रहकर मनुष्य जीवन को सफल बना सकते हैं। भक्ति भावना से परिपूर्ण एक अच्छे संत की पहचान होती है। ज्ञान की प्रतिभा संतों के पास बैठने से प्राप्त होती है। तपस्या बिना अन्न के की जाती है परंतु बिना जल के तपस्या करना बहुत मुश्किल होता है। लोकेश मुनिजी ने कहा कि प्रवचन में सभी अच्छाइयों का गुणगान होता है। आजकल प्रवचन केवल भीड़ जुटाने के लिए हो रहा है। प्रवचन आचार-विचार के आधार पर होना चाहिए, जिससे धर्म की प्रभावना हो सके। आज के समय साधु संत धर्म कथा के माध्यम से भगवान की वाणी को समझाते हैं।

स्वयं-वी कनेक्ट रेफरल समूह की बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नॉर्थ कार्यालय में लेडीज विंग बेंगलूरु नॉर्थ के संयुक्त तत्वावधान में स्वयं-वी कनेक्ट रेफरल समूह की बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर 'कौन बनेगा कॉइन मास्टर' ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ। मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ ने कार्यक्रम की शुरुआत की, जबकि चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने स्वागत किया। प्रश्नोत्तरी में सात चरण हुए। पहले चरण 'सबसे तेज उंगली पहले' का हर्षल छाजेड़ ने तथा शेष छह चरण का संचालन प्रशिक्षक एवं प्रश्नोत्तरी संचालक तनुजा मेहता ने किया। इस प्रतियोगिता में 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मेंटर मोना आंचलिया, संयोजिका सिंपल हिंगड़, सह-संयोजक सोनिया नंगावत सहित अनेक सदस्याओं ने व्यवस्था संभाली।

कार्यक्रम में स्वयं-वी कनेक्ट की छठी अवधि की रोस्टर पुस्तिका का अनावरण किया गया। सहसचिव सुमन रांका ने आभार व्यक्त किया।

निरोगी काया के लिए रामबाण औषधि से बढ़कर है सात्विक आहार : संतश्री कमलेशमुनि

मैसूरु/दक्षिण भारत । शहर के स्थानकवासी जैन संघ हब्लदकेरी के तत्वावधान में विराजित कमल मुनिजी कमलेश ने कहा कि आहार का विचार के साथ गहरा संबंध है और साधना और स्वास्थ्य के लिए सात्विक आहार रामबाण औषधि से बढ़कर है। जैसा खावे अन्न वैसा होवे मन्न। तामसिक आहार जहर से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक होता है और उत्तेजना, अशांति, क्रोध की जननी है।

तामसिक आहार प्रेम को नष्ट कर देता है, आत्मा

को मलिन बनता है, कर्मों का बंधन करता है और शरीर को रोगी बनाता है। सात्विक आहार को अपनाए बिना विश्व शांति का मार्ग प्रशस्त नहीं हो सकता। सात्विक आहार अमृत के समान है।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महावीर इंटरनेशनल बेंगलूरु सेन्टर के पदाधिकारियों ने शनिवार को महावीर धर्मशाला में चातुर्मासार्थ विराजित डॉ समकित मुनिजी के दर्शन किए तथा आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर संस्था के अंतर्राष्ट्रीय निदेशक रवींद्र कुमार जैन, बेंगलूरु के चेयरमैन रमेश दक, अध्यक्ष सुशील तलेसरा, कोषाध्यक्ष राजेश श्रीश्रीमाल, संयुक्त सचिव आशिक पिरगल, मुकेश पारलेचा ने संतश्री से मानव सेवा संबंधी विभिन्न अभियानों के बारे में पर विचार-विमर्श किया।

विल्सनगार्डन में मुमुक्षु कोठारी का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ विल्सनगार्डन द्वारा मुमुक्षु नवरतन कोठारी का सम्मान किया गया। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने कहा कि संपूर्ण युवा वर्ग के लिए यह गौरव का विषय है कि भरपूर यौवन अवस्था में नवरतन कोठारी सांसारिक जीवन से विरक्त होकर संयम स्वीकार कर रहे हैं। संघ के अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली ने सभी का स्वागत किया। मुमुक्षु नवरतन कोठारी ने कहा कि संसार दुखों का सागर है जिन्हें हम सुख समझते हैं वे सुख के आभास मात्र हैं और उस हर क्षणिक सुख के पीछे अनेकों दुख छिपे हुए हैं। उन सारे दुखों से सदा के लिए मुक्त होने के लिए वे बीकानेर में विराजित आचार्य रामेशजी एवं उपाध्यायश्री राजेशमुनिजी के सान्निध्य में 4 सितंबर को मुनि दीक्षा लेकर संयम साधना एवं अपने आत्मकल्याण के पावन मार्ग पर अग्रसर होंगे। उन्होंने सभी को दीक्षा महोत्सव में शामिल होने का निवेदन किया।

संघ के मंत्री जम्बूकुमार मकाणा व कोषाध्यक्ष सज्जन बोहरा ने शुभकामनाएं दी। इस मौके पर विल्सन गार्डन जैन युवा संगठन के अध्यक्ष जितेशकुमार वया, संघ के संयोजक माणकचन्द बोहरा, शांतिलाल सांड, संजयकुमार सांड आदि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कराटे स्पर्धा

बेंगलूरु के ओकिनावा ड्रैगन मार्शल आर्ट शॉटोकन द्वारा महालक्ष्मीपुरम स्थित डॉ राजकुमार ऑडिटोरियम में राज्य स्तरीय कराटे स्पर्धा का आयोजन किया गया, जिसमें 250 से भी ज्यादा बच्चों ने हिस्सा लिया। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने पुरस्कृत किया।आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सावन रुद्राभिषेक

बेंगलूरु के मारवाड़ी युवा मंच सेन्ट्रल के सदस्यों द्वारा सावन रुद्राभिषेक 2.0' के तहत विधि-विधान, वैदिक मंत्रोच्चार एवं श्रद्धाभाव के साथ रुद्राभिषेक किया। इस अवसर पर सेंट्रल के संस्थापक सुरेश झाझरिया, शंभु अग्रवाल, अध्यक्ष आयुष भिमसरिया, श्याम सेवा संघ आदि के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

सावन मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के आरटी नगर स्थित बिहार भवन में शनिवार को बिहारी समुदाय की महिलाओं ने सावन मिलन का आयोजन किया। इस मौके पर महिलाओं ने सज धज कर सावन के गीत गाएं तथा एक दूसरे को सावन की शुभकामनाएं दी।

सहज स्मृति योग

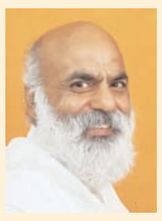

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं **guruji@darpanfoundation.com** पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, जीवन में प्राथमिकताएं कैसे तय होतीं हैं ? मैं कैसे और किससे वेरीफाई करूँ कि मेरे जीवन की मेरी समझ में जो प्राथमिकताएं हैं वे बिल्कुल सही हैं या नहीं हैं ?

उत्तर: इसे तो आप केवल उसी के समक्ष जाकर वेरीफाई कर सकते हैं जिसने मानव जीवन को वैसे का वैसा जान (देख) लिया जैसा कि वह यथार्थ में है। क्योंकि, यह तो स्पष्ट ही है कि उसे ही मानव जीवन की प्राथमिकताएं स्पष्ट होतीं हैं जो यथार्थ द्रष्टा हो। जीवन को वैसे का वैसा जान(देख) लेने के पूर्व किसी को जीवन की प्राथमिकताएं स्पष्ट नहीं होतीं। जीवन को यथावत जानने (देखने) से पूर्व जिसकी जो प्राथमिकताएँ होतीं हैं वे उसकी एक अद्वितीय व्यक्ति-मनुष्य होने मात्र होने की प्राथमिकताएँ होतीं हैं, यथार्थ मनुष्य होने की प्राथमिकताएँ नहीं। मानव जीवन को यथावत जानने के उपरांत ही अपने 'जीवन की प्राथमिकताओं' को तय करने का प्रश्न हल हो पाता है।और तभी उनके बिल्कुल सही होने का बोध भी होता है।

शबरीमला से सोना गायब होने के मामले में टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष प्रशांत की याचिका खारिज

कोल्लम/भाषा। केरल के कोल्लम की एक सतर्कता अदालत ने शबरिमला मंदिर से कथित तौर पर सोना गायब होने के मामले में

शनिवार को त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष पी. एस. प्रशांत की जमानत याचिका खारिज कर दी जबकि बोर्ड के पूर्व सदस्य ए. अजीकुमार को जमानत दे दी। कोल्लम सतर्कता अदालत के न्यायाधीश मोहित सी. एस. ने यह फैसला सुनाया। अदालत ने अजीकुमार की स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए उन्हें जमानत दी। शबरिमला मंदिर में द्वारपालक की मूर्तियों से सोना कथित तौर पर गायब होने के मामले में प्रशांत 17वें और अजीकुमार 18वें आरोपी हैं। दोनों को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने 23 जुलाई को गिरफ्तार किया था। प्रशांत 2023 से 2025 तक टीडीबी के अध्यक्ष रहे थे। वह पहले कांग्रेस नेता थे और बाद में माकपा में शामिल हो गए थे।

आईआईटी-दिल्ली के एक विद्यार्थी ने परिसर में की खुदकुशी

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से भौतिकी में स्नातकोत्तर कर रहे 31 वर्षीय विद्यार्थी ने शनिवार सुबह परिसर में एक भवन से कथित रूप से छलांग लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। आरंभिक जांच के मुताबिक, यह विद्यार्थी सुबह करीब आठ बजे यहां मुख्य द्वार से आईआईटी परिसर में दाखिल हुआ। इसके बाद वह व्याख्यान सभागार कॉम्प्लेक्स में गया और लिफ्ट से छठी मंजिल पर पहुंचा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इसके बाद वह कथित तौर पर इमारत के सामने की तरफ से कूद गया।अधिकारी के मुताबिक छात्र को तुरंत संस्थान के परिसर में स्थित अस्पताल में ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना के बारे में प्रात: करीब साढ़े आठ बजे किशनगढ़ थाने को फोन के जरिये सूचना मिली। इसके बाद कुछ ही देर में पुलिस दल आईआईटी परिसर में पहुंचा। सबूत इकट्ठा करने के लिए अपराध जांच दल और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की इकाई को बुलाया गया। अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट' नहीं मिला है, लेकिन मृत छात्र की जेब से एक मोबाइल फोन मिला है जिसकी जांच की जाएगी। पुलिस ने बताया कि आरंभिक जांच में शरीर पर गिरने से लगी चोटों के अलावा कोई और चोट का निशान नहीं मिला है। पुलिस जांच के तहत संस्थान से छात्र के काउंसलिंग रिकॉर्ड' और दूसरी जरूरी जानकारी जुटायी जा रही है।

पंजाब के मुख्यमंत्री मान मजाकिया बातें कर समय बिता रहे : हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को आरोप लगाया कि पंजाब के उनके समकक्ष भगवंत मान मजाकिया बातें करते हुए समय बिता रहे हैं। सैनी ने कहा कि पंजाब के लोगों ने अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद राज्य में भाजपा की सरकार बनाने का मन बना लिया है। उन्होंने मान से सवाल कि पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी (आप) ने महिलाओं और युवाओं से जो वादे किए थे, उनका क्या हुआ।

सैनी ने पंजाब के पटियाला जिले के घनौर कस्बे में आयोजित तीज महोत्सव में महिलाओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, आम आदमी पार्टी ने महिलाओं को हर महीने 1,000 रुपये देने का वादा किया था और सरकार के करीब पांच साल पूरे हो चुके हैं। अब अगले चुनाव भी नजदीक हैं। फिर भी पंजाब के मुख्यमंत्री मंच से महिलाओं से पूछ रहे हैं कि क्या उन्हें एक महीने का पैसा, दो महीने का पैसा या तीन महीने का पैसा उनके खाते में जमा करना चाहिए। सैनी ने कहा, अगर यह मजाक नहीं है तो और क्या है? सैनी ने आरोप लगाया कि खराब कानून-व्यवस्था के कारण पंजाब से उद्योग दूसरे राज्यों में जा रहे हैं, जिससे युवाओं के लिए रोजगार का संकट पैदा हो रहा है और हताश युवा तेजी से नशे की लत के जाल में फंस रहे हैं। इस अवसर पर हरियाणा के पूर्व मंत्री असीम गोयल और तीज महोत्सव के संयोजक विकास शर्मा भी मौजूद थे।

सैनी ने आरोप लगाया कि पिछले चुनाव में आप ने पंजाब के लोगों को गुमराह करके वोट हासिल किए थे, लेकिन इस बार लोग पूरी तरह जागरूक हैं। मुख्यमंत्री सैनी ने फिर दोहराया कि हरियाणा की तरह पंजाब के किसानों की सभी फसलों की भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की जाएगी, जबकि आलू तथा अन्य सब्जियों और फलों के लिए भावांतर भरपाई योजना लागू की जाएगी।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने राहुल गांधी के पुणे कार्यक्रम में खलल डालने की साजिश का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शनिवार को कहा कि देशभर के युवाओं में सत्ताधारियों के खिलाफ गुस्सा है और आरोप लगाया कि पुणे में पार्टी सांसद राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को बाधित करने की एक साजिश है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शनिवार शाम यहां 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्राओं के साथ संवाद करने वाले हैं। कार्यक्रम से कुछ घंटे पहले यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए खेड़ा ने कहा कि कार्यक्रम को मिल रही प्रतिक्रिया से राज्य सरकार घबरा गई है। उन्होंने कहा, गुस्सा केवल पुणे और महाराष्ट्र के युवाओं में नहीं, बल्कि पूरे देश के युवाओं में है और इतिहास गवाह है कि जब युवा गुस्से में आते हैं, तो बदलाव लाते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया, युवाओं के गुस्से का तूफान पुणे में साफ सुनाई दे रहा है। जब कोई युवती अपनी आवाज उठाती है, तो सत्ता में बैठे लोग खुद को खतरे में महसूस करते हैं। उसके खिलाफ ट्रोल किए जाते हैं, उसके कपड़ों पर टिप्पणियां की जाती हैं और उसके चरित्र पर हमला किया जाता है। खेड़ा ने कहा कि सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान की सोच महिलाओं और छात्राओं को घरों तक सीमित रखने और उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में भाग लेने से रोकने की है। उन्होंने कहा, हमने यह मानसिकता महिला आरक्षण विधेयक पारित होने के दौरान देखी थी। आज भी विधेयक पारित होने के बावजूद परिसीमन और जनगणना के नाम पर इसके क्रियान्वयन में देरी की जा रही है।

राहुल गांधी के कार्यक्रम से पहले अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) और नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन आफ इंडिया (एनएसयूआई) के सदस्यों के बीच शुक्रवार को सीओईपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास परिसर में झड़प हुई थी। एबीवीपी सदस्यों ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस कार्यकर्ता कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे (सीओईपी) की छात्राओं पर छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराने का दबाव डाल रहे थे। वहीं,

कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि कार्यक्रम के समर्थन में बोलने वाली दो छात्राओं को एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने छात्रावास में बंधक बनाकर धमकाया। झड़प के बाद पुलिस ने शनिवार को 50 से 60 युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया।

कथित हंगामे का उल्लेख करते हुए खेड़ा ने आरोप लगाया कि एबीवीपी कार्यकर्ता छात्राओं के छात्रावास में घुसे और उन्हें डराया-धमकाया। उन्होंने कहा, कल रात ही आरएसएस-भाजपा ने अपना असली चेहरा दिखाया, जब एबीवीपी के गुंडे सीओईपी छात्रावास में घुसे और लड़कियों को धमकाया। वे यह संदेश देना चाहते हैं कि महिलाओं को बाहर नहीं निकलना चाहिए और उनकी जगह घर के अंदर है। यही वजह है कि छात्रों की गूंज' का विषय प्रासंगिक है, क्योंकि राहुल गांधी सही समय पर छात्रों से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। खेड़ा ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम को बाधित करने की साजिश कई दिनों से चल रही थी। उन्होंने कहा, पुणे और महाराष्ट्र के छात्रों की कुछ खास चिंताएं थीं। उनकी छात्रवृत्ति के लिए निर्धारित धन को दूसरी जगह भेजा जा रहा है और कुछ छात्राएं यह मुद्दा राहुल गांधी के सामने उठाना चाहती थीं। इससे सरकार और एबीवीपी नाराज हो गए। इन छात्राओं की पहचान की गई और कथित तौर पर एबीवीपी कार्यकर्ता छात्रावास में घुसे तथा उन्हें धमकाया।

जागरूकता

बेंगलूरु में एक जागरूकता अभियान के तहत दोपहिया सवारों को आईएसआई-प्रमाणित हेलमेट वितरित करने के दौरान कांग्रेस नेता दिनेश गुंडू राव, बेंगलूरु के संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) कार्तिक रेड्डी के साथ।

कर्नाटक में 'एनालॉग' पनीर के उत्पादन और बिक्री पर एक साल तक प्रतिबंध

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने जन स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के मद्देनजर 'एनालॉग' पनीर (गैर डेयरी) की बिक्री, उत्पादन, भंडारण और आपूर्ति पर एक साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कर्नाटक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के आयुक्त श्रीनिवास के. ने बयान में कहा, विभाग ने 17 अगस्त को अधिसूचना जारी कर राज्य में एनालॉग/गैर-डेयरी पनीर के निर्माण, प्रसंस्करण, पैकिंग, भंडारण, आपूर्ति, थोक और खुदरा बिक्री पर एक साल के लिए प्रतिबंध लगाया है। अधिकारियों के अनुसार, 'एनालॉग' पनीर दूध से तैयार किए जाने वाले सामान्य पनीर का विकल्प है, जिसे दूध के बजाए वनस्पति तेल, वनस्पति वसा या अन्य गैर-डेयरी सामग्री का इस्तेमाल कर बनाया जाता है।

उन्होंने कहा कि ऐसे उत्पादों को उपभोक्ताओं के सामने 'पनीर' के रूप में लेबल नहीं किया जा सकता, न ही उनका विपणन या बिक्री इस नाम से की जा सकती है। विभाग ने बताया कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक (खाद्य उत्पाद मानक एवं खाद्य योजक) नियम, 2011 के तहत पनीर एक मानकीकृत खाद्य उत्पाद है, जिसे दूध से तैयार किया जाता है। पनीर में दूध की वसा एक प्रमुख घटक होती है और उसकी जगह वनस्पति तेल, वनस्पति वसा या अन्य गैर-डेयरी सामग्री का इस्तेमाल मान्य नहीं है।

विभाग ने कहा कि कर्नाटक में पनीर के कई नमूनों की जांच की गई और उनमें मिलावट नहीं पाई गई। हालांकि, जन स्वास्थ्य के हित में एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया गया है। यह आदेश फ्रोजन मिठाई, प्रोसेस्ड चीज और मिश्रित वसा स्प्रेड जैसे मानकीकृत खाद्य उत्पादों पर लागू नहीं होगा, क्योंकि इनके लिए अलग-अलग मानक पहले से तय हैं। विभाग ने खाद्य कारोबारियों को चेतावनी दी है कि वे किसी भी खाद्य उत्पाद या व्यंजन की तैयारी में एनालॉग/गैर-डेयरी पनीर का इस्तेमाल, भंडारण, आपूर्ति या बिक्री नहीं करें।

स्वास्थ्य मंत्री ने विधानसभा में गतिरोध उत्पन्न करने पर विपक्ष की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री यूपी खादर ने शनिवार को राज्य विधानसभा की कार्यवाही में बाधा डालने को लेकर विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि सत्र का इस्तेमाल जनता के मुद्दों पर चर्चा के लिए किया जाना चाहिए, न कि लोगों के पैसे की बर्बादी के लिए। खादर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि विरोध करना गलत नहीं है, लेकिन सदन की कार्यवाही रोकना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि विधानसभा जनता की समस्याओं पर चर्चा करने का मंच है और कार्यवाही में व्यवधान डालने से जनता का पैसा बर्बाद होता है। स्वास्थ्य मंत्री ने नकली दवाओं के नेटवर्क के संबंध में कहा कि नकली दवाओं का निर्माण और बिक्री एक गंभीर समस्या है तथा यह केवल कर्नाटक तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और तेलंगाना में अवैध रूप से दवाओं के निर्माण एवं प्रतिष्ठित कंपनियों के नाम पर उनकी बिक्री के मामले सामने आए हैं।

खादर ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार होटल और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर क्यूआर कोड आधारित व्यवस्था शुरू कर रही है, जिसके माध्यम से लोग खाद्य पदार्थों एवं दवाओं की गुणवत्ता से जुड़ी शिकायतें सीधे दर्ज करा सकेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सरकार तालुका स्तर पर निगरानी दल गठित करने पर भी विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि नकली पनीर, कृत्रिम रंगों और निकोटिन युक्त गुटखा एवं पान मसाला के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

मंत्री नागेंद्र के खिलाफ अभियोजन के लिए राज्यपाल से मंजूरी मांगे जाने की जानकारी नहीं : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने शनिवार को कहा कि उन्हें इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मंत्री बी नागेंद्र के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी के लिए राज्यपाल थावरचंद गहलोत से संपर्क किया है। प्रियंक ने कहा कि इस मामले में केंद्रीय एजेंसी को पहले राज्य सरकार को पत्र लिखना होगा। बताया जाता है कि सीबीआई ने हाल में राज्यपाल से नागेंद्र के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी मांगी है। नागेंद्र पर राज्य संचालित कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में करोड़ों रुपये के गबन के मामले में आरोप हैं।

मंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''उन्होंने किस आधार पर मंजूरी मांगी है? हमें इसकी कोई जानकारी नहीं है। अगर सीबीआई अभियोजन की मांग करती है तो उसे पहले राज्य सरकार को पत्र लिखना होगा।'' उन्होंने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि केंद्रीय एजेंसी ने पिछले मुख्य सचिव राजनेश गोयल को पत्र लिखकर अनुरोध किया था कि कोई भी मामला उसे न सौंपा जाए और यदि कोई मामला दिया जाता है तो जांच अधिकारियों सहित पूरा स्टाफ राज्य सरकार को उपलब्ध कराना होगा।

प्रियंक ने कहा, ''अगर हमें जांच अधिकारी उपलब्ध कराने हैं तो इसका मतलब है कि जांच हम ही कर रहे हैं।'' मंत्री ने कहा कि ''राज्य सरकार ने ऐसा कानून बनाया है, जिसके तहत सीबीआई को किसी भी जांच या अभियोजन के लिए राज्य सरकार की अनुमति या राय लेना जरूरी है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कुछ आया है।''मंत्री ने कहा, ''उन्होंने सीधे राज्यपाल को क्या दिया है, इसकी मुझे ज्यादा जानकारी नहीं है।'' कर्नाटक विधानसभा की कार्यवाही शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन बाधित हुई। विपक्षी भाजपा और जद(एस) के सदस्यों ने सदन में प्रदर्शन करते हुए नागेंद्र को मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की। नागेंद्र ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम में धन के गबन के आरोपों के बाद पिछली सिद्धरमैया सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा दिया था। उन्हें तीन अगस्त को डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में फिर शामिल किया गया। वह फिलहाल योजना एवं सांख्यिकी मंत्री हैं।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वाल्मीकि निगम घोटाला मामले में बल्लारी के विधायक नागेंद्र को जुलाई 2024 में गिरफ्तार किया था। बेंगलूरु की विशेष अदालत ने उसी साल अक्टूबर में उन्हें जमानत दे दी थी। इस मामले में ईडी और सीबीआई द्वारा दाखिल आरोपपत्र में नागेंद्र को आरोपी बनाया गया है।

विपक्ष द्वारा नागेंद्र के मुद्दे पर पदयात्रा निकालने की योजना के बारे में पूछे जाने पर प्रियंक खरगे ने कहा, उन्हें करने दीजिए, किसने मना किया है। इससे पहले भी उन्होंने बिदादी मार्च और मुडा मार्च किया था। अब वे रायचूर से बल्लारी तक मार्च की बात कर रहे हैं। उन्हें करने दीजिए। लेकिन उनकी पदयात्रा का कारण क्या है? जब उनसे कहा गया कि यह पदयात्रा एक भ्रष्ट व्यक्ति को मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने और उसे हटाने की मांग को लेकर है, तो प्रियंक ने कहा, ''क्या उन्होंने चंदू लामाणी (भाजपा विधायक) को हटा दिया है? उन्हें लोकायुक्त ने पकड़ लिया था। वह भी नागेंद्र को हटाने की मांग को लेकर विपक्ष के प्रदर्शन के दौरान सदन में नारे लगा रहे थे। उन्हें देखकर मुझे समझ नहीं आया कि हंसूं या रोऊं। लोकायुक्त के जाल में फंसा व्यक्ति भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।''

कर्नाटक के आईएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार 'लापता', जांच जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के आईएएस अधिकारी ज्ञानेंद्र कुमार गंगवार के कथित तौर पर लापता होने और उनके परिवार तथा अन्य लोगों से संपर्क में नहीं होने की जानकारी सामने आई है। आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने शनिवार को इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि सरकार को मामले की जानकारी मिली है, लेकिन उनके परिवार या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। उन्होंने कहा कि मिली जानकारी के अनुसार, अधिकारी की 'आखिरी लोकेशन' केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मिली थी और मामले की जांच की जा रही है।

गंगवार फिलहाल उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) के निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। सूत्रों के मुताबिक, वह 20 अगस्त से संपर्क में नहीं हैं और उन्होंने दिल्ली जाने के लिए विमान का टिकट बुक कराया था। खरगे ने संवाददाताओं से कहा, जानकारी कुछ दिन पहले मिली थी। उनके परिवार या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। आज सुबह से मीडिया में भी इस संबंध में खबरें आ रही हैं।

उन्होंने कहा, उनसे संपर्क के सभी माध्यम बंद हैं और वह उपलब्ध नहीं हैं। फिलहाल हमें जानकारी है कि उनकी 'आखिरी लोकेशन' केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मिली थी। हवाई अड्डे से हमें कुछ जानकारी मिली है और हम इसकी जांच कर रहे हैं। जांच जारी है और आगे की कार्रवाई के बारे में बाद में फैसला किया जाएगा। वर्ष 2016 बैच के आईएएस अधिकारी गंगवार इससे पहले कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) में परीक्षा नियंत्रक के पद पर कार्यरत थे। इस साल मार्च में उन्हें इस पद से हटा दिया गया था। हालांकि, आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि उनके लापता होने की घटना को केपीएससी में उनके कार्यकाल के दौरान हुए घटनाक्रम से जोड़ने वाली खबरों की फिलहाल पुष्टि नहीं की जा सकती।

एक अन्य सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को केपीएससी के अध्यक्ष शिवशंकरप्पा एस. साहूकार को निलंबित करने और उनके खिलाफ जांच शुरू करने की सिफारिश राज्यपाल थावरचंद गहलोत से करने का फैसला किया है। साहूकार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं। उनकी बेटी का कथित तौर पर फर्जी आय प्रमाणपत्र के आधार पर सरकारी नौकरी के लिए चयन किए जाने के मामले में उन पर भाई-भतीजावाद के भी आरोप हैं।

खरगे ने कहा, राज्यपाल ने 13 जुलाई को उन्हें (साहूकार) निलंबित किया था, जिसके खिलाफ वह उच्च न्यायालय गए थे। अदालत ने राज्यपाल से सरकार की सहायता और सलाह के अनुसार फैसला करने को कहा था। मंत्रिमंडल ने कल इस मामले पर चर्चा की।

तमिलनाडु ने स्टार 3.0 सॉफ्टवेयर के तहत पांच-चरणीय ऑनलाइन प्रॉपर्टी रजिस्ट्रेशन शुरू किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु रजिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने एक पांच-चरण वाली प्रणाली शुरू की है, जिससे खरीदार और विक्रेता सब-रजिस्ट्रार के ऑफिस जाए बिना या कतार का टोकन लिए बिना प्रॉपर्टी से जुड़े कुछ डॉक्यूमेंट्स रजिस्टर करवा सकते हैं। यह सुविधा विभाग के स्टार 3.0 सॉफ्टवेयर के जरिए काम करती है और शुरुआत में इसमें नए बने अपार्टमेंट, घरों और रिहायशी प्लॉट की सेल डीड (बिक्री विलेख) शामिल हैं। होम लोन के लिए टाइटल डीड (मालिकाना हक के दस्तावेज) जमा करने का मेमोरेंडम, मॉर्गेज डीड और लोन बंद होने की पुष्टि करने वाली रसीदें भी ऑनलाइन सिस्टम के जरिए रजिस्टर की जा सकती हैं, चूंकि लोगों के घरों में बायोमेट्रिक उपकरण उपलब्ध नहीं हो सकते हैं, इसलिए प्रॉपर्टी डेवलपर्स और घर या प्लॉट बेचने वाली कंपनियों के ऑफिस में बनी तय जगहों पर रजिस्ट्रेशन पूरा किया जा सकता है।

पहले चरण में खरीदारों को रजिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर एक अकाउंट बनाना होगा और उस डॉक्यूमेंट को चुनना होगा, जिसका रजिस्ट्रेशन कराना है। उन्हें एक ऐसा रजिस्ट्रेशन सेंटर भी चुनना होगा जहां फिंगरप्रिंट, आइरिस-स्कैनिंग और वेबकैम की सुविधाएं हों। आवेदकों को प्रॉपर्टी के पिछले टाइटल डीड की जानकारी देनी होगी और उसकी डिजिटल कॉपी अपलोड करनी होगी। खरीदार, विक्रेता और गवाहों के नाम, पते और पहचान से जुड़ी जानकारी भी देनी होगी। आवेदक को यह बताना होगा कि प्रॉपर्टी घर है या प्लॉट और संबंधित सब-रजिस्ट्रार ऑफिस, गांव, सर्वे नंबर, एरिया, सीमाएं और दूसरी जरूरी जानकारी देनी होगी। प्रॉपर्टी के ट्रांसफर की कीमत, पेमेंट का तरीका, अभी किसके कब्जे में है और कानूनी स्थिति (जिसमें चल रहे कानूनी मामले भी शामिल हैं) के बारे में जानकारी भी देनी होगी।

इन जानकारियों के आधार पर, सिस्टम अपने-आप एक ड्राफ्ट डीड तैयार कर लेगा। यह पोर्टल प्रॉपर्टी की कीमत, स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन फीस, कंप्यूटर चार्ज और डॉक्यूमेंट राइटर वेलफेयर फंड में योगदान की गणना करके उन्हें दिखाएगा। ड्राफ्ट की समीक्षा करने और उसे अपलोड करने के बाद, वह माय डॉक्यूमेंट सेक्शन में सेव हो जाएगा। इसके बाद संबंधित पक्षों को पहचान का प्रमाण, साइट प्लान और प्रॉपर्टी की फोटो जैसे जरूरी डॉक्यूमेंट अपलोड करने होंगे।

दूसरे चरण में सेव किए गए डॉक्यूमेंट को माय डॉक्यूमेंट्स सेक्शन से सबमिट करना होगा। इसके बाद आधार ऑथेंटिकेशन पूरा करना होगा और फिर संबंधित लोगों के फिंगरप्रिंट, फोटो और आइरिस की जानकारी रिकॉर्ड करनी होगी। तीसरे चरण में स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करना होता है। चौथे चरण में भुगतान के बाद आवेदक को रजिस्ट्रेशन के लिए दस्तावेज जमा करने के लिए ऑनलाइन सहमति देनी होती है।

इससे आवेदक की प्रक्रिया पूरी हो जाती है। पांचवें और आखिरी चरण में संबंधित अधिकार क्षेत्र के रजिस्ट्रार 24 घंटे के भीतर डीड, सहायक रिकॉर्ड और पहचान दस्तावेजों की जांच करेंगे। अगर दस्तावेज सभी जरूरतों को पूरा करते हैं, तो रजिस्ट्रार डीड पर डिजिटल रूप से हस्ताक्षर करेंगे और रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी करेंगे। इसके बाद रजिस्टर्ड दस्तावेज आवेदक के लॉगिन के जरिए डाउनलोड के लिए उपलब्ध हो जाएगा, जिससे फिजिकल रूप से जाने या टोकन लेने की जरूरत नहीं रहेगी।

कर्नाटक और केरल के बीच भाईचारे का रिश्ता है : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलाप्पुझा/बेंगलूरु। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने कहा, कर्नाटक और केरल के बीच भाईचारे का रिश्ता है। दोनों राज्य आपसी सहयोग से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ेंगे। शिवकुमार शनिवार को केरल के अलाप्पुझा में आयोजित नेहरू ट्रॉफी बोट रेस के 72वें संस्करण में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शामिल होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। हमारे महान नेता पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इस खेल को प्राथमिकता दी थी और एक बड़ा संदेश दिया था।

कांग्रेस की ताकत ही देश की ताकत है; जब भी कांग्रेस सत्ता में होती है, तो ऐसा लगता है कि समाज के सभी वर्ग सत्ता में हैं। आज, इस राज्य के सभी युवा इस खेल उत्सव का आनंद ले रहे हैं। जिस तरह कर्नाटक में मैसूरु दशहरा धूमधाम से मनाया जाता है, उसी तरह केरल में यह कार्यक्रम मनाया जाता है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी भी आपके साथ इस रेस में शामिल हुए थे। हम पानी, मौसम और संस्कृति सहित सब कुछ साझा करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि कर्नाटक श्रीमती इंदिरा गांधी और श्रीमती सोनिया गांधी के संसद में प्रवेश का मंच बना। इसी तरह, केरल राहुल गांधी और श्रीमती प्रियंका गांधी के संसद में प्रवेश का मंच बना।

उन्होंने कहा, सतीसन के नेतृत्व वाली सरकार राज्य की भलाई के लिए काम करेगी और अपने वादे पूरे करेगी। यूडीएफ गठबंधन मिलकर काम करेगा और यह मजबूत संदेश देगा कि हम सभी राहुल गांधी के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्तर पर लड़ रहे हैं। उन्होंने सभा से कहा, ''मैं सभी प्रतिभागियों और आयोजन समिति को शुभकामनाएं देता हूं। कर्नाटक आपके साथ खड़ा रहेगा और आपको भी कर्नाटक के साथ खड़ा रहना चाहिए। दोनों राज्यों के लोगों को भाइयों की तरह आगे बढ़ना चाहिए।''

कमाई से ज्यादा खर्च होने पर सरकार ने जुलाई में 12,044 करोड़ रुपए का कर्ज लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कमाई से खर्च ज्यादा होने पर तमिलनाडु सरकार की ओर से जुलाई में बॉन्ड जारी करके 12,044 करोड़ रुपए का कर्ज लिया गया। फिस्कल डेटा के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों में खर्च, कमाई से ज्यादा रहा। टीवीके सरकार की ओर से अपना पहला बजट पेश करने के 100 दिनों से ज्यादा समय बाद ये आंकड़े सामने आए हैं। लोगों को उम्मीद थी कि सरकार बदलने से कामकाज के तरीके में बदलाव आएगा, लेकिन कर्ज के ताजा आंकड़ों ने राज्य की आर्थिक स्थिति पर सबका ध्यान खींचा है। अप्रैल से जुलाई के बीच, तमिलनाडु को कुल 89,718 करोड़ रुपए की कमाई हुई। इसमें टैक्स से होने वाली कमाई का हिस्सा सबसे ज्यादा 82,566 करोड़ रुपए था, जबकि बिना टैक्स वाली कमाई 4,070 करोड़ रुपए थी। केंद्र सरकार से मिले ग्रांट से 3,082 करोड़ रुपए और आए। राज्य कई स्रोतों से कमाई करता है, जिनमें राज्य का गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी), स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस, जमीन से जुड़ी कमाई, बिक्री और कमर्शियल टैक्स, राज्य की एक्साइज ड्यूटी, केंद्रीय टैक्स में अपना हिस्सा, अन्य ड्यूटी और बिना टैक्स वाली कमाई शामिल हैं। इसे केंद्र सरकार से ग्रांट भी मिलता है। हालांकि, अप्रैल-जुलाई की अवधि में कुल खर्च 1.23 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जिससे 25,267 करोड़ रुपए का रेवेन्यू घाटा हुआ।

मौजूदा लोन पर ब्याज का भुगतान खर्च के सबसे बड़े हिस्सों में से एक था, जो 21,176 करोड़ रुपए रहा। पेंशन भुगतान पर 17,237 करोड़ रुपए खर्च हुए। आमदनी से ज्यादा खर्च होने के कारण, सरकार कल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं और दूसरी जरूरतों को पूरा करने के लिए बाजार से उधार लेने पर निर्भर रही है।

संबोधन

बेंगलूरु में घरों के सामने पार्क किए गए वाहनों के लिए वसूले जाने वाले पार्किंग शुल्क के संबंध में जनता दल (सेक्युलर) के नेता टी.ए. शरावना, ई. कृष्णप्पा, एच.एम. रमेश गौड़ा और आर. अखंड श्रीनिवास मूर्ति ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

विरोध

बेंगलुरु सिटी यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को बेंगलूरु स्थित कांग्रेस भवन में विरोध प्रदर्शन के दौरान कर्नाटक भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र, केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी और अन्य नेताओं के मुखौटे पहने।

पहरा

बीकानेर में शनिवारको पवित्र सावन माह के दौरान ऐतिहासिक लालेश्वर महादेव मंदिर में पुलिसकर्मी पहरा दे रहे हैं, जहां भगवान शिव का भव्य स्वर्ण आभूषणों से श्रृंगार किया गया है।

मोदी सरकार ने जनता का भरोसा खोया: अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पेट्रोल में एथनॉल मिलाने की नीति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि इसके कारण चीनी की कीमतें बढ़ रही हैं और लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। गहलोत ने दावा किया कि गन्ने का बड़ा हिस्सा चीनी उत्पादन के बजाय एथनॉल बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे बाजार में चीनी की उपलब्धता प्रभावित हुई है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार बिना पूरी तैयारी के फैसले ले रही है और जनता का भरोसा खो चुकी है। कांग्रेस नेता ने एक बयान में कहा, मोदी सरकार की अदूरदर्शिता और गलत फैसलों का एक और उदाहरण बिना तैयारी के पेट्रोल में बड़ी मात्रा में एथनॉल मिलाने का निर्णय है, जिसका नुकसान देश की जनता को कई मोर्चों पर उठाना पड़ रहा है।

उन्होंने दावा किया कि गन्ने का एक बड़ा हिस्सा चीनी उत्पादन के बजाय एथनॉल बनाने में लगाया जा रहा है, जिससे बाजार में चीनी की उपलब्धता कम हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 15 दिनों में चीनी की कीमतों में 14 से 17 रुपये प्रति किलोग्राम तक की वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा, यह केवल महंगाई तक सीमित नहीं है। एथनॉल मिश्रण के कारण वाहनों के इंजन को नुकसान पहुंचने, माइलेज कम होने जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं, जिसका आर्थिक भार जनता को ही उठाना पड़ रहा है। गहलोत ने आरोप लगाया, यह सीधे तौर पर आम आदमी की मेहनत की कमाई की लूट है। इस पूरे मामले में लाभ कुछ उद्योगपतियों और सरकार को हो रहा है, जबकि परेशान केवल आम जनता हो रही है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि एथनॉल उत्पादन के कारण हवा और पानी के प्रदूषण से जुड़ी शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। गहलोत ने केंद्र सरकार पर बिना पर्याप्त तैयारी के फैसले लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, मोदी सरकार अब जनता का भरोसा खो चुकी है।

कॉजपा के कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने एक दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज करवाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के निकट रामपुरा-कंवरपुरा गांव में 'कॉकरोच जनता पार्टी' (कॉजपा) के कार्यकर्ताओं पर कथित हमले के विवाद में संगठन और ग्रामीणों ने एक-दूसरे के खिलाफ मामला दर्ज कराया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और हंगामा करने के आरोप लगाए हैं। 'कॉजपा' के कार्यकर्ता रामपुरा-कंवरपुरा गांव के सरकारी स्कूल की स्थिति का जायजा लेने पहुंचे थे, जहां उन्हें ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा था। 'कॉजपा' ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने संगठन के सदस्यों पर हमला किया। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि 'कॉजपा' कार्यकर्ताओं की मौजूदगी से गांव में भय का माहौल बन गया था।

शिवदासपुरा थाना प्रभारी राजेश गौतम ने बताया कि एक स्थानीय ग्रामीण ने शुक्रवार रात प्राथमिकी दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि 'कॉजपा' के सदस्य बड़ी संख्या में गांव पहुंचे और उन्होंने लोगों को डराया-धमकाया।

ग्रामीण ने दावा किया कि बच्चों में डर का माहौल उत्पन्न हो गया और वे स्कूल नहीं जा रहे थे। उन्होंने बताया कि दूसरी प्राथमिकी 'कॉजपा' के एक सदस्य की ओर से दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया गया कि घटना के दौरान कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की गई।

संगठन ने कथित हमले के लिए जिम्मेदार लोगों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। कॉजपा' के सह-संयोजक आशुतोष रांका ने आरोप लगाया कि हमलावर भाजपा नेताओं के बुलाए गए लोग थे। उन्होंने कहा, हमारे पास वीडियो और सभी सबूत हैं। अगर उनके पास भी सबूत हैं तो वे दिखाएं।

इस बीच, शनिवार सुबह स्कूल प्रशासन ने विद्यार्थियों को एक अन्य स्थान पर स्थानांतरित कर दिया। रांका ने आरोप लगाया कि 'स्कूल ठीक करो' अभियान के तहत गांव पहुंची 'कॉजपा' टीम के सदस्यों के साथ मारपीट की गई, उनके वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया और महिला समर्थकों के साथ अभद्र व्यवहार किया गया।

घटना के कथित वीडियो में बड़ी संख्या में लोगों को 'कॉजपा' टीम के सदस्यों के साथ बहस करते, उन्हें गांव में प्रवेश करने से रोकते और धक्का-मुक्की करते देखा जा सकता है। कुछ वीडियो में कारों की टूटी हुई खिड़कियां भी दिखाई दे रही हैं, जिन्हें 'कॉजपा' टीम के वाहनों का बताया जा रहा है।

वहीं ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने स्कूल भवन की मरम्मत के लिए पहले ही धनराशि स्वीकृत कर दी है और स्थानीय स्तर पर प्रयास कर मरम्मत कराई जा सकती है।

तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । जयपुर जिले में एक भयानक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई, जिनमें एक दंपत्ति और उनकी दो बहुएं शामिल हैं। यह हादसा सरमथुरा-फलोदी मेगा हाईवे पर फागी से लगभग तीन किलोमीटर दूर माधोराजपुरा रोड पर हुआ। जानकारी के मुताबिक, यह घटना शुक्रवार शाम करीब 7:30 बजे हुई, जब फागी के 'धामुनियों का मोहल्ला' के रहने वाले सत्यनारायण कुम्हार सड़क के किनारे अपने खेत से काटी गई मूंग की फसल सुखा रहे थे। उनकी पत्नी और दो बहुएं भी उनकी मदद कर रही थीं, तभी तेज रफ्तार एसयूवी ने उन चारों को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वे सभी लगभग 20 फीट दूर जा गिरे। पुलिस के अनुसार, 60 वर्षीय सत्यनारायण, पत्नी मनमौजी (55), बद्री की पत्नी अमृता (30) और सुरेश की पत्नी शिमला (25) की मौत मौके पर ही हो गई।

परिवार के चार सदस्यों की मौत से इलाके में शोक और गुस्सा फैल गया। हादसे के बाद फागी पुलिस ने शवों को फागी उप-जिला अस्पताल की मोर्चरी में पहुंचाया। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण अस्पताल के बाहर जमा हो गए और पीड़ितों के परिवार के लिए मुआवजे की मांग की। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने जयपुर-भीलवाड़ा मेगा हाईवे को जाम कर दिया और धरना दिया, जिससे सड़क के दोनों ओर गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अनिल डोरिया और थाना प्रभारी (एसएचओ) पुष्पेंद्र बंसीवाल पुलिसकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शांत करने की कोशिश की।

हालांकि, ग्रामीण मुआवजे की अपनी मांग पर अड़े रहे। रात करीब 10 बजे एडिशनल सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (एएसपी) शिवलाल बैरवा और सब-डिविज़नल ऑफ़िसर (एसडीओ) बलबीर सिंह भी घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों से बातचीत की। बातचीत के बाद स्थिति को काबू में कर लिया गया। इस हादसे ने मृतकों के परिवारों को बुरी तरह तोड़ दिया है।

पीड़ित परिवार ने इससे पहले कई साल पहले एक सड़क हादसे में अपने पांच साल के एक और बेटे को खो दिया था। मृतक शिमला एक ट्रेन्ड नर्स थीं और उनकी आठ महीने की बेटी वंशिका है। उनके पति सुरेश जयपुर की एक ज्वेलरी कंपनी में काम करते हैं। डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा ने मौतों पर दुख जताया। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने फागी में एसएच-2 चाकसू रोड पर हुए हादसे को बेहद दुखद और दर्दनाक बताया। बैरवा ने कहा कि उन्होंने संबंधित अधिकारियों को पीड़ित परिवार को हर संभव मदद देने का निर्देश दिया है। उन्होंने दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस नुकसान को सहने की शक्ति देने की भी प्रार्थना की।

बिजली गुल होने से 49 अभ्यर्थी नहीं दे पाए प्रवेश परीक्षा, एनटीए दोबारा लेगा परीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में शनिवार को एक परीक्षा केंद्र पर बिजली गुल होने से कंप्यूटर बंद हो गए, जिसके कारण 49 परीक्षार्थी 'आयुष पीजी' प्रवेश परीक्षा पूरी नहीं कर सके। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने इन परीक्षार्थियों के लिए दोबारा परीक्षा कराने की घोषणा की। यह घटना जयपुर के सत्य साईं पीजी कॉलेज में हुई, जहां एनटीए की ओर से आयोजित अखिल भारतीय आयुष स्नातकोत्तर प्रवेश परीक्षा (एआईएपीजीईटी) कंप्यूटर आधारित तरीके से कराई जा रही थी। बिजली आपूर्ति बाधित होने से कंप्यूटर बंद हो गए और 192 में से 49 परीक्षार्थी परीक्षा पूरी नहीं कर पाए।

एनटीए ने बताया कि परीक्षा पूरी नहीं कर सके उम्मीदवारों के लिए एक सितंबर को राजस्थान कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग फॉर विमेन में दोबारा परीक्षा आयोजित की जाएगी। एजेंसी ने परीक्षा केंद्र पर परीक्षा संचालित कर रही कंपनी 'एडुक्यूटी करियर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड' को बिजली कटौती के लिए जिम्मेदार ठहराया। परीक्षार्थियों के अनुसार, ट्रांसपोर्ट नगर स्थित सत्य साईं पीजी कॉलेज में पूर्वाह्न 10 बजे शुरू हुई दो घंटे की परीक्षा के कुछ देर बाद करीब 20 मिनट के लिए बिजली चली गई। परीक्षा निरीक्षक ने परीक्षार्थियों को बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हुई है और जल्द ही इसे बहाल कर दिया जाएगा।

हालांकि, काफी देर तक बिजली नहीं आने पर कई परीक्षार्थी केंद्र से बाहर आ गए और उन्होंने विरोध प्रदर्शन किया। कुछ उम्मीदवारों ने आरोप लगाया कि बिजली कटौती के दौरान कई परीक्षार्थी आपस में बातचीत कर रहे थे और कथित रूप से नकल कर रहे थे।

उन्होंने दावा किया कि यह सब केंद्र पर्यवेक्षक की मौजूदगी में हुआ। एक परीक्षार्थी ने कहा, ''कई बार बिजली गई और कोई बैकअप व्यवस्था नहीं थी। इस दौरान कुछ उम्मीदवार बातचीत करने लगे और कुछ बाहर आ गए। मुझसे कहा गया कि कंप्यूटर के सामने बैठा रहूं, भले ही वह काम नहीं कर रहा था। जब कंप्यूटर ही काम नहीं कर रहा था तो मैं कैसे बैठ सकता था।''

केंद्र पर्यवेक्षक ने बताया कि बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी और तकनीकी खराबी के कारण बैकअप उपलब्ध नहीं कराया जा सका। उन्होंने बताया कि इस संबंध में एनटीए को रिपोर्ट भेजी जा रही है। एनटीए ने बताया कि शनिवार को एआईएपीजीईटी परीक्षा की पहली पारी में 36,979 पंजीकृत उम्मीदवारों के लिए परीक्षा आयोजित की गई। देशभर के 200 परीक्षा केंद्रों पर 35,837 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए।

एजेंसी ने बताया, ''35,788 परीक्षार्थियों की परीक्षा पूरी हो गई है। हालांकि, जयपुर के श्री सत्य साईं पीजी कॉलेज केंद्र पर 192 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए थे, जिनमें से बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण 49 परीक्षार्थी परीक्षा पूरी नहीं कर सके।'' एनटीए, आयुष एवं होम्योपैथी की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में स्नातकोत्तर एमडी, एमएस और पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए यह परीक्षा आयोजित करता है।

रावतभाटा में परमाणु बिजलीघर की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात जवान की गोली लगने से मौत

जयपुर। राजस्थान के रावतभाटा स्थित परमाणु बिजलीघर में सुरक्षा ड्यूटी के दौरान केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के एक जवान की शनिवार को अपनी ही सरकारी राइफल से चली गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान पश्चिम बंगाल निवासी प्रमीर सरकार (25) के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि घटना के समय प्रमीर सुबह करीब साढ़े चार बजे रिएक्टर भवन के बाहर तैनात थे। चित्तौड़गढ़ के पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा, ''प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने अपनी इनसास राइफल से आत्महत्या की है।''

पुलिस ने बताया कि प्रमीर सरकार पिछली रात से संयंत्र में ड्यूटी पर तैनात थे और गोली चलने की आवाज सुनकर वहां मौजूद अन्य कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे, जहां प्रमीर जमीन पर पड़े मिले। पुलिस के मुताबिक, उनके सीने में गोली लगी हुई थी। पुलिस ने बताया कि उन्हें तत्काल संयंत्र के अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि घटना के सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें : मुख्य सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में संचालित विभिन्न वस्त्र उद्योग क्लस्टरों (बालोतरा, जसोल, पाली, सांगानेर और जोधपुर) में पर्यावरण मानकों की पालना और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) से संबंधित मुद्दों को लेकर मुख्य सचिव श्री वी.श्रीनिवास ने शुक्रवार को शासन सचिवालय में समीक्षा बैठक की। उच्चतम न्यायालय के निर्देश के अनुसार जोजरी, बांडी, लूनी और सांगानेर बेसिन में कड़े पर्यावरणीय नियम लागू किए गए हैं। इसमें दीवानी जुर्माने के स्थान पर क्रिमिनल लाइबिलिटी तय किया गया है। पिछले 35 दिनों में 2,000 से अधिक वस्त्र एमएसएमई इकाइयां सील की गई हैं। बैठक में बताया गया कि नदियों में प्रदूषण नियंत्रण अपशिष्ट जल प्रबंधन एवं पर्यावरण सुधार के लिए रिवर बेल्ट के रेस्टोरेशन का ब्लूप्रिंट तैयार किया जाएगा, रिवर बेसिन अथॉरिटी द्वारा रेगुलेटरी जोन बनाए जाएंगे, ड्रेनेज का कार्य पुनः किया जाएगा, नदियों से स्लज(गाद) को हटाया जाएगा। साथ ही, एआई के माध्यम से वॉटर ट्रीटमेंट टूल्स का उपयोग किया जाएगा।

बैठक में वीसी के माध्यम से जुड़ी केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीलम शमी राव ने आश्वासन दिया कि नदियों के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार की तरफ से वित्तीय सहयोग दिया जाएगा। बैठक में आईपीडीएस के अन्तर्गत प्रमुख टेक्सटाइल क्लस्टरों एवं सीईटीपी की स्थिति की जानकारी दी गई। बैठक में बताया कि ड्डबालोतरा में जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (नडऊ) वाला 18 चडऊ क्षमता का संयंत्र परियोजना की लागत 131.90 करोड़ रुपये है, जिसमें केन्द्र सरकार का अंशदान 65.95 करोड़ रुपये है। ठड्ढझउइ द्वारा पिछले कुछ महीनों से बंद है।

सांगानेर (जयपुर) के 12.3 चडऊ क्षमता संयंत्र की लागत 159 करोड़ रुपये है, जिसमें केन्द्र सरकार का अंशदान 75 करोड़ रुपये है। वर्तमान में 1.5 चडऊ पर आंशिक रूप से संचालित है। बैठक में वीसी के माध्यम से जुड़ी केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय की सचिव श्रीमती नीलम शमी राव ने आश्वासन दिया कि नदियों के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए संचालित विभिन्न स्कीम/प्रोजेक्ट में केंद्र सरकार की तरफ से लम्बित भुगतान जल्द किया जाएगा, हर सम्भव वित्तीय सहयोग दिया जाएगा।

जोधपुर में 306 टेक्सटाइल इकाइयों का औसत अपशिष्ट आवक वर्तमान में उद्योगों के बन्द होने के कारण शून्य है। जेडएलडी अपग्रेडेशन की समय-सीमा 31 दिसंबर, 2027 तय की गई है। सीपीवी द्वारा नॉन कम्प्लायंस के मामले में रीको को सीईटीपी की स्थापना की अनुमति देने के लिए बैठक में केन्द्र सरकार से आग्रह किया गया।

एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में तकनीकी खराबी, यात्रियों को उतारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर से बेंगलूरु जाने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने से यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। फ्लाइट जयपुर एयरपोर्ट से दोपहर 1:10 बजे बेंगलूरु के लिए रवाना होनी थी। निर्धारित समय के अनुसार, विमान में यात्रियों की बोर्डिंग भी पूरी कर ली गई थी। इतिहास बोर्डिंग के बाद विमान में तकनीकी खराबी सामने आई। इसके बाद एहतियात के तौर पर यात्रियों को विमान से उतार दिया गया। यात्रियों को वापस एयरपोर्ट बिल्डिंग में लाया गया। अचानक विमान से उतारे जाने के कारण यात्रियों को काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। एयरलाइन की ओर से विमान में आई तकनीकी खराबी को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। विमान की जांच और खराबी ठीक होने के बाद ही फ्लाइट को बेंगलूरु के लिए रवाना किया जा सकेगा। फिलहाल यात्री फ्लाइट के दोबारा संचालन का इंतजार कर रहे हैं।

न्यायालय ने विदेश में पढ़ाई के लिए नाबालिग को पासपोर्ट जारी करने का दिया निर्देश

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे विदेश में पढ़ाई करने के लिए एक नाबालिग को पासपोर्ट जारी करें, भले ही उसके आवेदन में उसके पिता की सहमति न हो। अदालत ने कहा कि यात्रा करने के संवैधानिक अधिकार से वंचित करने से उसके करियर की संभावनाओं को अपूरणीय क्षति होगी। लड़के के माता-पिता का तलाक हो चुका है और वह अपनी मां के साथ रहता है। नाबालिग ने अपनी मां के माध्यम से उच्च न्यायालय में दायर याचिका में कहा था कि उसने पासपोर्ट के लिए आवेदन किया था, लेकिन आवेदन में पिता का उल्लेख नहीं होने के कारण अधिकारियों ने पासपोर्ट जारी करने से इनकार कर दिया।

वकील ने कहा कि पासपोर्ट अधिकारियों ने यह कहते हुए आवेदन खारिज कर दिया कि इसमें पिता की अनिवार्य सहमति शामिल नहीं है। याचिका मंजूर करते हुए न्यायमूर्ति अनूप कुमार धंड ने कहा कि पासपोर्ट देने से इनकार करने का कोई भी यांत्रिक तरीका न केवल आवेदक को प्रभावित करेगा, बल्कि उसके करियर की संभावनाओं को भी अपूरणीय क्षति पहुंचा सकता है।

नगरीय निकाय आम चुनाव को पूर्ण निष्पक्षता से संपन्न कराएं : नायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदत्त निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले के नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 को पूर्ण निष्पक्षता, निर्भीकता व स्वतंत्रता के साथ संपन्न कराने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी (म्यूनिस्पिल) संदेश नायक की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सभी वार्डों के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारीयों एवं संबंधित पुलिस अधिकारीयों के साथ बैठक हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जयपुर जिले की 1 नगर निगम, 2 नगर परिषद सहित 19 नगरीय निकायों के कुल 690 वार्डों के चुनावों को पूर्ण निष्पक्षता, निर्भीकता व स्वतंत्रता के साथ संपन्न कराना हम सबका नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि 27 अगस्त को चुनावों के लिए लोकसूचना जारी होगी। 31 अगस्त 2026 संबंधित रिटर्निंग अधिकारी के यहां नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि है। मतदान दो चरणों में होगा- प्रथम चरण में 9 सितंबर 2026, बुधवार को नगर पालिकाओं एवं नगर परिषद में व दूसरा चरण 11 सितंबर 2026, शुक्रवार को नगर निगम के सभी वार्ड पार्षदों के चुनाव हेतु प्रातः 7 बजे से सांयः 6 बजे तक मतदान होगा। उन्होंने सभी रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारीयों व उनके समकक्ष पुलिस अधिकारीयों को उनके बूथों का मौका देखने एवं सभी आवश्यक जानकारियां प्राप्त कर चुनावों को सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए हैं।

सीजेआई सूर्यकांत ने विदाई समारोह में न्यायमूर्ति संजय करोल के सहानुभूतिपूर्ण रवैये की प्रशंसा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को न्यायमूर्ति संजय करोल को उनके कार्यकाल के आखिरी दिन विदाई दी। उन्होंने न्यायमूर्ति करोल की एक ऐसे न्यायाधीश के तौर पर प्रशंसा की, जिनका करियर कानून के प्रति गंभीरता, लोगों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण रवैये और अपने पद के प्रति ''अटूट सम्मान'' से भरा रहा। न्यायमूर्ति करोल, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की एक औपचारिक पीठ की अध्यक्षता करते हुए, प्रधान न्यायाधीश ने सेवानिवृत्त हो रहे न्यायाधीश के साथ अपने लंबे पेशेवर जुड़ाव का जिक्र किया। प्रधान न्यायाधीश ने याद किया कि वह उन्हें पहले बार के सदस्य के तौर पर, फिर साथी महाधिवक्ता के तौर पर, उसके बाद हिमाचल प्रदेश में साथी के तौर पर और आखिर में उच्चतम न्यायालय में साथी न्यायाधीश के तौर पर जानते थे।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ''बार न्यायमूर्ति करोल को सिर्फ उनके फैसलों के लिए ही नहीं, बल्कि उनके धैर्य, विनम्रता, सुनने की इच्छा और अदालत कक्ष में उनकी मौजूदगी से मिलने वाले भरोसे के अहसास के लिए भी याद करती है। शायद, न्यायिक पद पर रहने वाले किसी व्यक्ति को दिए जा सकने वाला यह सबसे अच्छा सम्मान है।''

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने न्यायमूर्ति करोल के प्रशासनिक कामकाज के बारे में भी बात की। प्रधान न्यायाधीश ने बताया कि त्रिपुरा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के तौर पर, न्यायमूर्ति करोल ने अनुशासित वाद सूची, मुकदमों की फाइलों पर लगातार ध्यान देने और खुद कुछ अहम मुकदमे संभालने के जरिए, 10 महीनों के भीतर लंबित मामलों की संख्या 60,000 से घटाकर 27,000 से कम कर दी थी।

वहीं, न्यायमूर्ति संजय करोल ने शनिवार को अपने विदाई भाषण में कहा कि न्यायाधीश भगवान नहीं होते और उनसे भी फैसले में गलती हो सकती है।

उन्होंने यह भी कहा कि न्यायाधीश के तौर पर काम करने के लिए कुछ हद तक विनम्रता और हर वादी के पीछे छिपे वास्तविक इंसान को देखने की क्षमता जरूरी है। न्यायमूर्ति करोल ने कहा, ''संविधान हमसे सिर्फ कानून को सही ढंग से लागू करने के लिए नहीं कहता। वह हमसे इसे न्यायपूर्ण ढंग से लागू करने के लिए कहता है। शायद इसीलिए, फैसला करने की जिम्मेदारी मुझे हमेशा महज यह तय करने से कहीं बड़ी लगी है कि कानूनी तौर पर कौन सही है।''

उत्तर प्रदेश में चीनी की कोई कमी नहीं, आम नागरिक परेशान न हों : योगी

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रदेशवासियों को भरोसा दिलाया कि राज्य में चीनी की कोई कमी नहीं है इसलिए लोगों को इससे परेशान होने की जरूरत नहीं है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, योगी ने कहा कि प्रदेश की चीनी मिलों में वर्तमान में 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि चीनी मिलों ने जून और जुलाई में 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है। मुख्यमंत्री ने एक समीक्षा बैठक में कहा कि सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल चीनी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जून और जुलाई में चीनी मिलों द्वारा बेची गई 235 लाख कुंतल चीनी में से अधिकांश अभी भी खुले बाजार में उपलब्ध है।

अखिलेश यादव जाट समाज से माफी मांगें : मायावती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने शनिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के बारे में की गई अमर्यादित टिप्पणी के लिए उन्हें पूरे जाट समाज से माफी मांगनी चाहिए। इस बीच शनिवार को मामले में उप्र के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर प्रहार करते हुए कहा कि उन्हें केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी से तत्काल माफी मांगनी चाहिए। मायावती ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अखिलेश यादव का सार्वजनिक रूप से अपने पूर्व सहयोगी के बारे में यह कहना कि हमने इनको चवन्नी से रुपया बना दिया है' पूरी तरह अमर्यादित, अशोभनीय और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि अखिलेश को रालोद और उसके नेता के साथ-साथ पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के परिवार का अपमान करने के लिए पूरे जाट समाज से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा का चाल, चरित्र और चेहरा विरोधी दलों को ही नहीं, बल्कि सहयोगी पार्टियों के प्रति भी संकीर्ण और जातिवादी रहा है। इसका राजनीतिक लाभ अक्सर भाजपा को मिला और धर्मनिरपेक्ष ताकतें कमजोर हुईं।मायावती ने कहा कि सपा के इसी रवैये के कारण 1993 में बना सपा-बसपा गठबंधन टूट गया और दो जून, 1995 को कुख्यात लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस कांड हुआ। उन्होंने कहा कि 2019 में लोकसभा चुनाव के लिए अखिलेश यादव के आश्वासन पर बसपा ने फिर गठबंधन किया, लेकिन चुनावी नतीजे अनुकूल न आने के बाद सपा के अहंकारी और स्वार्थी रवैये के कारण वह भी टूट गया।

मायावती ने आरोप लगाया कि सपा गठबंधन का इस्तेमाल करके केवल अपना काम निकालना जानती है और काम निकलने के बाद दूसरी पार्टियों के खिलाफ अनाप-शनाप भाषा का इस्तेमाल करती है। मायावती ने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि सपा प्रमुख राजनीतिक स्वार्थ के अनुसार पी' का अर्थ कभी पिछड़ा वर्ग तो कभी पंडितों का हित बताते हैं।

बिहार के 'लोक भवन' मार्च के दौरान पुलिस के साथ झड़प के बाद अभ्यर्थियों को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की राजधानी पटना में शनिवार को 'लोक भवन' तक मार्च के दौरान पुलिस के साथ हुई झड़प के बाद नौकरी के इच्छुक कई अभ्यर्थियों को हिरासत में ले लिया गया। प्रदर्शनकारी पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया की मांग को लेकर मार्च निकाल रहे थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मार्च में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए, जिन्हें आर-गोलंबर के पास बैरिकेड लगाकर रोक दिया गया।

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों द्वारा बैरिकेड तोड़ने की कोशिश करने पर झड़प हो गई, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें हटाने के लिए हल्के बल का इस्तेमाल किया। उन्होंने बताया कि इसके बाद कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस अधीक्षक (मध्य) ममता कल्याणी ने कहा, किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त बल तैनात किया गया है। प्रदर्शनकारी प्रोफेसर की नियुक्ति में यूजीसी के नियमों का पालन करने, अधिकतम आयु सीमा बढ़ाने, बीपीएससी टीआरई-4 के लिए सिंगल-टियर' परीक्षा और हिंदी-माध्यम के उम्मीदवारों के लिए समान अवसर जैसी मांगें कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारियों के एक समूह ने चेतावनी दी कि अगर सरकार 24 अगस्त तक उनसे सार्थक बातचीत करने में विफल रहती है, तो वे 25 अगस्त को बिहार के मुख्यमंत्री के सरकारी आवास का घेराव करेंगे।

बीसीआई अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा को हटाने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा के लंबे कार्यकाल की वैधता को चुनौती देने और उन्हें पद से हटाने को लेकर उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर की गयी है। अधिवक्ता योगमाया एमजी की ओर से दायर इस याचिका में कहा गया है कि मिश्रा पहली बार 2012 में बीसीआई अध्यक्ष चुने गए थे। हालांकि, उन्होंने 2014 में कुछ समय के लिए पद छोड़ दिया था, लेकिन वह उसी वर्ष नवंबर में दोबारा अध्यक्ष बन गए और तब से लगातार इस पद पर बने हुए हैं। याचिका में दलील दी गयी है कि बीसीआई का नियम 12(2) अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के लिए दो साल का कार्यकाल या सदस्यता समाप्त होने तक की अवधि (दोनों में से जो भी पहले हो) निर्धारित करता है। याचिका में उच्चतम न्यायालय के किसी पूर्व न्यायाधीश या किसी उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक स्वतंत्र समिति गठित करने की मांग की गई है।

गोरखा मुद्दे पर अंतिम समझौते का मसौदा तैयार करने के लिए गृह मंत्रालय की समिति गठित : सांसद राजू बिष्ट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिलीगुड़ी/भाषा। दार्जिलिंग से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद राजू बिष्ट ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार ने गोरखा मुद्दे पर अंतिम समझौते का मसौदा तैयार करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्रालय के तहत एक समिति गठित की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गोरखा नेताओं और पश्चिम बंगाल सरकार के बीच हुई अहम बैठक के बाद बिष्ट ने यह जानकारी दी। इस बैठक का उद्देश्य पर्वतीय क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से जारी समस्याओं के ''स्थायी राजनीतिक समाधान'' के लिए आगे की रूपरेखा तय करना था।

शाह के उत्तर बंगाल दौरे के तीसरे और अंतिम दिन दार्जिलिंग की पहाड़ियों की तलहटी में स्थित सुकना के एक होटल में यह बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, पर्वतीय क्षेत्र के विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और अन्य हितधारक शामिल हुए। बिष्ट ने कहा, ''गृह मंत्रालय के तहत वार्ताकार पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई है। यह समिति आज हुए समझौते के अंतिम मसौदे को तैयार करने का काम करेगी।'' गृह मंत्रालय ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी और पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार पंकज कुमार सिंह को अक्टूबर 2025 में इस मुद्दे पर सरकार का आधिकारिक वार्ताकार नियुक्त किया था। उनकी भूमिका राजनीतिक संवाद को आगे बढ़ाने और गोरखा समुदाय की काफी समय से लंबित मांगों का समाधान तलाशने पर केंद्रित है।

बिष्ट ने कहा कि शनिवार की बैठक एक ऐतिहासिक दिन पर हुई है क्योंकि 1988 में इसी तारीख को गोरखा समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। केंद्र, पश्चिम बंगाल सरकार और गोरखा नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जीएनएलएफ) के बीच हुए इस समझौते के बाद दार्जिलिंग गोरखा हिल काउंसिल (डीजीएचसी) का गठन हुआ था।

इससे पहले अलग गोरखालैंड राज्य की मांग को लेकर हिंसक आंदोलन हुआ था। बिष्ट ने कहा, ''पर्वतीय समुदायों का संघर्ष चार दशक से अधिक पुराना है। इस दौरान पिछली वाम मोर्चा और तृणमूल कांग्रेस सरकारों ने पर्वतीय क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं को कुचला।

हमारे करीब 2,000 लोगों ने जान गंवाई, 5,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए और महिलाओं को यातनाएं दी गईं तथा उनके साथ दुष्कर्म किया गया।'' उन्होंने कहा कि बैठक में विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों ने अपनी चिंताएं और अपेक्षाएं सामने रखीं तथा मुख्यमंत्री ने भी बताया कि वह पर्वतीय क्षेत्र के लोगों के मुद्दों का समाधान किस तरह करना चाहते हैं।

बिष्ट ने कहा, सभी पक्षों की बात सुनने के बाद शाह ने बैठक का सार रखते हुए बताया कि आने वाले दिनों में इस मुद्दे का स्थायी समाधान किस प्रकार किया जाएगा।'' बैठक में भाजपा के चुनावी वादे के अनुरूप संवैधानिक ढांचे के तहत दार्जिलिंग पहाड़ियों की समस्याओं का ''स्थायी राजनीतिक समाधान'' तलाशने पर चर्चा हुई। बैठक में शुभेंदु अधिकारी के अलावा गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) प्रमुख बिमल गुरुंग, पार्टी के वरिष्ठ नेता रोशन गिरि, जीएनएलएफ प्रमुख मान घीसिंग, राज्य सरकार के कई मंत्री, पर्वतीय क्षेत्र के भाजपा विधायक और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

प्रदर्शन

उत्तर प्रदेश यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शनिवारको लखनऊ में शिक्षा सुधारों की मांग कर रहे छात्रों पर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान पेलेट गन के कथित इस्तेमाल को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया।

निर्गम राशि के इस्तेमाल के खुलासे की व्यवस्था की समीक्षा कर रहा सेबी : चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को कहा कि नियामक निर्गम से जुटाई गई राशि के इस्तेमाल की निगरानी और उसके खुलासे की व्यवस्था की समीक्षा कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसका उद्देश्य समय पर जानकारी उपलब्ध कराना और अनुपालन प्रक्रिया को सुगम बनाना है। इंस्टीट्यूट ऑफ डायरेक्टर्स के वार्षिक निदेशक सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए पांडेय ने कहा कि पारदर्शिता का मतलब केवल किसी कंपनी द्वारा दी गई जानकारी की मात्रा नहीं है, बल्कि यह भी महत्वपूर्ण है कि वह जानकारी निवेशकों को जरूरी बातों को समझने में कितनी मदद करती है।

उन्होंने कहा, ''हम निर्गम से जुटाई गई राशि के इस्तेमाल की निगरानी और उसके खुलासे की व्यवस्था की समीक्षा कर रहे हैं। इसका उद्देश्य समय पर खुलासा सुनिश्चित करना और अनुपालन प्रक्रिया को सुगम बनाना है।'' पांडेय ने कहा कि किसी कंपनी द्वारा जानकारी का खुलासा कर देने भर

से यह जरूरी नहीं है कि वह पारदर्शी हो गई है। उन्होंने कहा, ''वास्तविक पारदर्शिता जानकारी की मात्रा में नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता, समयबद्धता और उपयोगिता में है।'' उन्होंने कहा कि सेबी ने महत्वपूर्ण घटनाओं और सूचनाओं के खुलासे से जुड़े नियमों को लगातार मजबूत किया है। सेबी ने संबंधित पक्षों के बीच लेनदेन से जुड़े नियमों को भी और स्पष्ट करने का प्रस्ताव रखा है। इससे कंपनियों के लिए नियम स्पष्ट और व्यावहारिक होंगे तथा निवेशकों के लिए जरूरी सुरक्षा उपाय भी बने रहेंगे। नियामकीय अनुपालन के बारे में उन्होंने कहा कि सुशासन के लिए नियमों का अनुपातिक होना और अनावश्यक दोहराव से बचना भी जरूरी है।

कोई पार्टी संसद से बड़ी नहीं : 'वंदे मातरम' विवाद के बीच भाजपा ने कांग्रेस पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने शनिवार को 'वंदे मातरम' को लेकर कांग्रेस पर ''तुष्टिकरण की राजनीति'' करने का आरोप लगाया और कहा कि कोई भी दल या व्यक्ति संविधान और संसद द्वारा बनाए गए कानूनों से ऊपर नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नेतृत्व में पार्टी के नवनियुक्त पदाधिकारियों की पहली बैठक में 'वंदे मातरम' को लेकर एक प्रस्ताव पारित किया गया। यह प्रस्ताव कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) द्वारा 1937 के अपने फैसले की पुनः पुष्टि किए जाने के कुछ दिन बाद आया है, जिसमें पार्टी कार्यक्रमों में गीत के केवल पहले दो अंतरे गाने की बात कही गई थी।

भाजपा के प्रस्ताव में कांग्रेस के इस फैसले की निंदा की गई और कहा गया कि राजनीतिक लाभ या तुष्टिकरण के लिए राष्ट्रीय गीत के सम्मान से कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। भाजपा ने कहा कि वह विपक्षी दल को राष्ट्रीय गीत को ''विभाजित'' करने या उसमें ''छेड़छाड़'' करने की अनुमति नहीं देगी। भाजपा ने कहा कि उसका प्रस्ताव कांग्रेस के रुख का सीधा जवाब है और पार्टी 'वंदे मातरम' की पूरी विरासत की रक्षा के लिए देशव्यापी अभियान चलाएगी। भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने कहा कि कांग्रेस को खुद को या अपनी कार्यसमिति को संसद से बड़ा नहीं समझना चाहिए।

पात्रा ने कहा, ''आज मैं देश से पूछना चाहता हूं कि संसद बड़ी है या सीडब्ल्यूसी? देश संसद में लिए गए फैसलों के आधार पर चलेगा या सीडब्ल्यूसी के फैसलों और प्रस्तावों के आधार पर?'' उन्होंने कहा कि कोई भी राजनीतिक दल, परिवार या व्यक्ति संविधान और संसद द्वारा बनाए गए कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता। पात्रा ने कहा, किसी परिवार, राजनीतिक दल या व्यक्ति को यह नहीं सोचना चाहिए कि वह देश के कानून, संविधान और संसद द्वारा बनाए गए कानूनों से बड़ा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस कार्यसमिति अपने कार्यालय में बैठकर खुद को संसद से बड़ा नहीं समझ सकती। संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। संसद में लिया गया हर फैसला देश का फैसला होता है।

भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस पर राजनीतिक तुष्टिकरण के लिए 'वंदे मातरम' को लेकर विवाद पैदा करने का आरोप लगाया और कहा कि पार्टी इसके गायन में किसी भी तरह की बाधा डालने के प्रयास का विरोध करेगी। पात्रा ने कहा, ''वंदे मातरम राष्ट्र का गीत है। यह राष्ट्र का मंत्र है। यह हिंदुओं और मुसलमानों के बीच विभाजन पैदा करने का माध्यम नहीं है। कांग्रेस विभाजन के बीज बोने का प्रयास कर रही है। हम ऐसा नहीं होने देंगे।''

परीक्षा विवाद : चंपई सोरेन ने झारखंड सरकार पर नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों को धोखा देने का आरोप लगाया

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने शनिवार को झामुमो के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार पर नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों को धोखा देने और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच की मांग करने वालों के खिलाफ पुलिस बल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। सोरेन ने मांग की कि राज्य सरकार कथित अनियमितताओं की सीबीआई जांच की सिफारिश करे। उन्होंने दावा किया कि नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने का सत्तारूढ़ गठबंधन का कोई इरादा नहीं है।

सोरेन ने आरोप लगाया, झामुमो कार्यकर्ताओं और पुलिस ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे और मुख्यमंत्री का पुतला फूंकने की कोशिश कर रहे छात्रों की पिटाई की। उन्होंने प्रशासन से इसकी अनुमति भी ली थी। इसके बावजूद उन्हें पीटा गया। ऐसा केवल रांची में ही नहीं, बल्कि राज्य के अन्य जिलों में भी हुआ। झारखंड की भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों और पुलिस के बीच शुक्रवार को रांची, हजारीबाग, गिरिडीह और अन्य जिलों में झड़प हुई थी।

संसद में एक ही सत्र में विधेयक पेश करने और उन्हें पारित करने का चलन बढ़ रहा है : पीआरएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अठारहवीं लोकसभा में अब तक पेश किए गए आधे से अधिक विधेयक उसी सत्र में दोनों सदनों से पारित हो गए हैं, जिसमें उन्हें पेश किया गया। पिछले एक साल में इस मोर्चे पर तीव्र वृद्धि का रवैया नजर आया है। 'पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च' के आंकड़ों के विश्लेषण से यह बात सामने आयी है। पीआरएस के सत्रवार डेटा के विश्लेषण के अनुसार, इस लोकसभा के गठन के बाद से पेश किए गए 64 विधेयकों में से 34 (यानी 53 प्रतिशत) विधेयक उसी सत्र में दोनों सदनों से पास हो गए, जिसमें उन्हें पेश किया गया था।

पीआरएस के डेटा के विश्लेषण से पता चलता है कि 16वीं लोकसभा के दौरान यह अनुपात 33 प्रतिशत था, जब पेश किए गए 189 विधेयकों में से 63 उसी सत्र में पारित हो गए थे। 17वीं लोकसभा के दौरान यह अनुपात लगभग दोगुना होकर 62 प्रतिशत हो गया, जब पेश किए गए 190 विधेयकों में 117 उसी सत्र में पारित हो गए। हालांकि, पीआरएस के रिकॉर्ड के अनुसार, 18वीं लोकसभा की शुरुआत इस मामले में धीमी रही। पीआरएस एक स्वतंत्र, गैर-लाभकारी संगठन है जो संसद और राज्य विधानसभाओं के कामकाज पर रिसर्च करता है और उन पर नज़र रखता है। वर्ष 2026 के बजट सत्र में, पेश किए गए 10 विधेयकों में से पांच उसी सत्र में दोनों सदनों से पारित हो गए।

यह प्रवृत्ति मॉनसून सत्र में सबसे ज़्यादा देखी गयी, जो 13 अगस्त को खत्म हुआ। सत्र खत्म होने से पहले पारित किए गए 12 विधेयकों में 11 पारित हो गए। सिर्फ़ भारतीय सांख्यिकी संस्थान, 2026 ही लंबित रह गया। सरकार के शुरुआती विधायी एजेंडा में पेश करने और पास करने के लिए पांच नए विधेयक विचारार्थ और पारित किए जाने के लिए सूचीबद्ध थे तथा दो लंबित विधेयक थे।

लेकिन संसद से पारित हुए 11 विधेयकों में से छह ऐसे थे जिन्हें शुरुआती एजेंडा में पेश करने के लिए शामिल नहीं किया गया था। सरकार के एजेंडा में विचार करने और पारित किए जाने के लिए शामिल दो लंबित विधेयकों में से किसी को भी पारित नहीं कराया जा सका। ये दो विधेयक हैं-विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 और विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026।

सुविचार

क्रोध बुद्धि को कमजोर करता है। शांत मन से सोचें, संयम बनाए रखें, सही निर्णय लें, रिश्ते मजबूत बनेंगे।

ट्वीट

मोदी सरकार की दूर की न सोचने की क्षमता और गलत फैसले एक बार फिर बिना पूरी तैयारी के पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने के फैसले से साफ हो गए हैं। देश के लोगों को इस फैसले के कई तरह से नतीजे भुगतने पड़ रहे हैं।

-अशोक गहलोत

आज, मैंने पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में नई भारतीय न्याय संहिता पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। टेक्नोलॉजी और फोरेंसिक के बड़े पैमाने पर इस्तेमाल से, नई भारतीय न्याय संहिता तेज़, समय पर और पीड़ित-केंद्रित न्याय पक्का कर रही है।

-अमित शाह

कहानी

शहज़ादी की आवाज़

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

ईरान में एक भारतीय विद्वान प्रोफेसर हरिश्चंद्र था। उसे क़ब्रिस्तान के क्रन्दन के बारे में पता चला। वह देखने भी गया। उसने वही क्रंदन सुना और फिर भारत के एक दोस्त को चिट्ठी लिखी। मेरे प्यारे दोस्त, मैं वहाँ गया जहाँ जहाँआरा बेगम दफ़न है। मैंने जो सुना वह तुम्हें बता रहा हूँ। यह कोई कहानी नहीं है, यह सच है। हर रात उसकी कब्र से आवाज़ें आती हैं। वह दिल्ली माँगती है, यमुना माँगती है, अपने अब्बा की आवाज़ माँगती है। और हम? हमने तख़्त-ए-ताऊस और कोहिनूर को याद किया, लेकिन जहाँआरा को किसी ने याद नहीं रखा। हम चीज़ों को याद तो रखते हैं, इंसानों को नहीं। तुम्हारा हरिश्चंद्र।

दिल्ली की वह शाम कुदरत का कोई नायाब करिश्मा थी। आसमान सुर्ख लाल रंग में रंगा था और हवाओं में सोने के कणों सी चमकती गर्द उड़ रही थी। यमुना का किनारा किसी टूटे हुए ख्वाब की तरह हसीन लग रहा था, जैसे रेत पर किसी मोर के पंख बिखरे हों, सुंदर मगर अधूरे।

मुहम्मद शाह रंगीला की सबसे छोटी बेटी, शहज़ादी जहाँआरा बेगम अपनी बालकनी के संगमरमरी खंभों के सहारे खड़ी थी। उम्र महज़ सोलह साल, पर चेहरा किसी पुरानी आयत की तरह गंभीर। उसकी आँखों में वह चमक नहीं थी जो एक अल्हड़ शहज़ादी में होनी चाहिए, बल्कि वहाँ एक अजीब सी परिपक्वता और उदासी का संगम था। ऐसा लगता था मानो उस सोलह साल की लड़की ने अपनी आँखों के झरोखे से आने वाले कल के किसी धुंधले तूफ़ान को पढ़ लिया हो।

उसके हाथ में मीर तक़ी मीर की ग़ज़लें थीं। किताब खुली थी, पन्ने हवा से फड़फड़ा रहे थे, पर उसका ध्यान मीर की ग़ज़लों में नहीं था। वह खिड़की से बाहर लाल किले की दीवारों पर पसरती स्याह शाम को देख रही थी। उसे डर था कि यह शाम अब कभी ख़त्म नहीं होगी। सल्तनत की नींव खोखली हो चुकी थी। जहाँ मशविरे होने चाहिए थे, वहाँ शराब का दौर चलता था। सिपाही बदहाल थे, खज़ाना खाली था, और उत्तर-पश्चिम की सरहदों से आने वाली ख़बरें किसी दुःस्वप्न की तरह थीं।

उन दिनों दिल्ली की गलियों और चौपालों पर नादिर शाह का नाम किसी ज़हरीले साँप की फुफकार की तरह रेंग रहा था। हर नुक्कड़, हर महफ़िल में बस उसी का ज़िक्र था। कोई उसकी टिड्डी दल जैसी फ़ौज के किस्से सुनाकर डरा रहा था, तो कोई काबुल की बर्बादी की गवाही दे रहा था। सबसे ज़्यादा दहशत उस किंवदंती से थी कि वह कोई पुश्तैनी बादशाह नहीं, बल्कि एक मामूली गड़रिया था जिसने खून की नदियाँ बहाकर ईरान के सिंहासन पर कब्ज़ा जमाया था।

जहाँआरा ने आँखें बंद कीं। हवा में गुलाब की महक थी। लेकिन तभी एक सर्द झोंके के साथ उसे कुछ और महसूस हुआ। हवा में लोहे और ताजे ख़ून की एक तीखी गंध तैर रही थी। वह सिहर उठी। उसे इस बात का रत्ती भर भी गुमान न था कि जिस रक्त की गंध उसे विचलित कर रही है, वह किसी अजनबी का नहीं, बल्कि उसके अपने खानदान और वजूद का होगा।

सन 1739 ईस्वी। कर्नाल का वह मनहूस मैदान। आसमान धूल की उस मोटी चादर से ढका था जो सूरज को निगल चुकी थी। यह महज मिट्टी नहीं थी, यह वह गर्द थी जो फेफड़ों में उतरकर दम घोंट देती है। सामने मुगल सेना खड़ी तो थी, पर उसमें वह रौब नहीं था। वे बिखरे हुए थे जैसे किसी बुझी हुई आग के वे आखिरी अंगारे, जो राख होने की कगार पर हों।

नादिर शाह अपने ऊँचे ईरानी घोड़े पर बुत बना बैठा था, अचल और अडिग। उसकी आँखें किसी भूखे बाज़ की तरह पीली और नुकीली थीं, जो मीलों दूर से भी शिकार की धड़कनें पढ़ लेती हैं। उन आँखों में न कोई दया थी, न कोई उत्तेजना। बस एक सर्द और जानलेवा बेपरवाही थी। उसने देखते ही देखते अपने सूखे होंठों पर एक हल्की सी मुस्कुराहट तैरा दी। वह मुस्कुराहट किसी इंसान की नहीं, बल्कि उस शिकारी की थी जिसे पता है कि शिकार लहूलुहान है, थक चुका है और अब भागने की तमाम दिशाएँ बंद हो चुकी हैं। उसके लिए यह युद्ध नहीं, महज़ एक रस्म थी, एक साम्राज्य को मिट्टी में मिलाने की रस्म।

बाहर हिंद की नियति का फैसला हो रहा था, लेकिन मुहम्मद शाह रंगीला अपने महल में बैठा शराब पी रहा था। तभी गलियारों में भागते कदमों की आहट हुई और शिकस्त की वह मनहूस खबर उस तक पहुँची। जैसे ही पराजय शब्द उसके कानों से टकराया, सम्राट के चेहरे पर फैला मदहोशी का रंग फक पड़ गया। वह कीमती स्वर्ण पात्र, जो मुगलिया शान और बेफिक्री का आखिरी गवाह था, उसकी पकड़ से छूट गया। संगमरमर के ठंडे फर्श पर वह प्याला गिरा और उसके टुकड़े हर दिशा में बिखर गए।

वह आवाज़ केवल एक पात्र के टूटने की नहीं थी। वह मुगलिया इकबाल के बिखरने की गूँज थी। लाल मदिरा सफेद फर्श पर इस तरह फैल गई जैसे कोई गहरा जख्म बह निकला हो।

लाल किले के दीवान-ए-ख़ास में, जहाँ कभी शाहजहाँ की हुकूमत का डंका बजता था, वहाँ अब नादिर शाह ने अपना डेरा डाला। शहंशाह मुहम्मद शाह को एक अपराधी की तरह उसके सामने पेश किया गया। नादिर की बर्फीली आँखों ने उसे ऊपर से नीचे तक तौला और फिर एक कड़कती आवाज़ ने किले की दीवारों को हिला दिया। हिंदुस्तान का खज़ाना खोलो!

तख़्त-ए-ताऊस, जिस पर बैठकर सात मुग़ल बादशाहों ने आधी दुनिया पर राज किया था, आज किसी मामूली असबाब की तरह नादिर के सामने घसीटा गया। मोतियों की अंतहीन मालाएँ, सोने के सिक्कों का पहाड़, बेशकीमती जवाहरात, नायाब किताबें और पूर्वजों की तलवारें, सब कुछ बेरहमी से लूटा जा रहा था। यह सिर्फ़ धन की लूट नहीं थी। यह एक तहज़ीब की कमर तोड़ी जा रही थी।

लेकिन नादिर शाह की आँखें किसी और चीज़ पर थीं। उसने पूछा: जहाँआरा बेगम कहाँ है, रंगीला की बेटी? दरबारी ने घबराकर जवाब दिया : वह अंदरूनी महल में हैं। नादिर ने तलवार उठाई और बोला- मेरे सामने लाओ।

जहाँआरा ने चेहरे पर पानी के छींटे मारकर अपना चेहरा धोया, मानो वह अपने अतीत के आखिरी निशानों को मिटा रही हो। हाथों पर लगा गाढ़ा महवर उसकी बेचारगी पर तंज कस रहा था। उसने काँपते हाथों से सफेद मलमल का दुपट्टा ओढ़ा, एक ऐसा कफन जो अभी साँस ले रहा था। उसके कदम बोझिल थे, फर्श पर उनकी आहट ऐसी गूँज रही थी जैसे कोई अपनी ही मज़ार की सीढ़ियाँ उतर रहा हो।

जब वह दरबार में आई, तो पूरा दरबार चुप हो गया। नादिर ने कहा: मैं तुमसे निकाह करूँगा। जहाँआरा के होंठ सिले हुए थे। उसने अपनी गरिमा को ढाल की तरह ओढ़ लिया और अपनी दृष्टि सीधे नादिर की आँखों में गाड़ दी। उसने वहाँ जो देखा, वह कोई मानवीय भावना नहीं थी। वह थी जलत। नादिर की आँखों में एक ऐसा उन्माद नाच रहा था जो केवल पाने की भूख जानता है।

निकाह का इंतज़ाम किया गया। मौलवी ने जहाँआरा की ओर से सात पुश्तों का बयान पढ़ा। अमीर तैमूर से शुरू होकर बाबर, हुमायूँ, जलालुद्दीन अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ और अब सुल्तान मुहम्मद शाह। एक एक नाम के साथ मुगलिया सल्तनत की सदियों पुरानी शान दरबार की दीवारों से टकराकर गूँज रही थी। फिर कुछ दरबारियों की शरारत सूझी और मौलवी ने नादिर से भी पूछ लिया।

दरबार में सन्नाटा पसर गया। नादिर की आँखों में वह पीली वहशी आग भभक उठी। उसने तलवार खींची। धातु के रगड़ने की तीखी आवाज़ पूरे हॉल में किसी चीख की तरह गूँजी। उसने गरजती आवाज़ में कहा: नादिर शाह इब्न शमशीर, इब्न शमशीर, इब्न शमशीर, इब्न शमशीर! तलवार! तलवार का बेटा, तलवार के पोते का बेटा! मेरी सात पुश्तें और मेरा पूरा खानदान यह फौलाद है। इसी ने मुझे तख्त दिया है और यही मेरा वजूद है! मौलवी ने तुरंत बोला: क़ुबूल है, क़ुबूल है, क़ुबूल है! निकाह हो गया!

लूट का सामान लादकर नादिर शाह वापस लौट गया। जहाँआरा को एक पालकी में बिठाया गया। पालकी में वह अकेली थी। उसके पीछे दिल्ली थी और आगे एक अज्ञात रेगिस्तान, बिना पानी के, बिना पेड़ के, बिना घर के। दिल्ली धीरे धीरे छोटी होती जा रही थी जैसे कोई सपना जो आँख खुलते ही टूट जाए। उसने एक बूँद भी आँसू नहीं बहाया।

ईरान में उसे एक बड़े महल में रखा गया। लेकिन वह ख़ाली था। दीवारें सजी हुई थीं, पर उन पर कोई पन्ना नहीं था, ना ज़बान का, ना आँखों का। नौकरानियाँ उसकी ज़ुबान नहीं समझती थीं। खाने में दिल्ली का ज़ायक़ा नहीं था, कपड़ों में गुलाब की महक नहीं थी। जहाँआरा धीरे धीरे सूखती गई जैसे कोई फूल जिसे पानी ना मिले।

एक रात नादिर ने पूछा, तुम रोती क्यों नहीं हो? जहाँआरा ने जवाब दिया, क्योंकि मेरे पास रोने के लिए आँसू नहीं बचे। मैंने सब कुछ दिल्ली में ही रो दिया।

जहाँआरा बीमार पड़ गई। कोई दवाई उस बीमारी को ठीक नहीं कर सकती थी क्योंकि उसकी बीमारी शरीर में नहीं थी, उसकी बीमारी आत्मा में थी। उसकी आत्मा दिल्ली में थी, यमुना के किनारे, लाल किले की छत पर, मीर तक़ी मीर की किताब के पन्नों पर।

उसकी आख़िरी रात ऐसी थी जिसे कोई शब्द नहीं बयान कर सकता। बाहर ईरान की ठंडी और सूनी रात थी। अंदर जहाँआरा की साँसें धीमी होती जा रही थीं। उसने आँखें बंद कीं और दिल्ली देखी। यमुना बह रही थी, मोर नाच रहे थे, गुलाब खिले हुए थे, लाल किला चमक रहा था। और वह बालकनी में बैठी थी अपनी पसंदीदा किताब के साथ। एक मुस्कुराहट उसके होंठों पर आई, पहली और आख़िरी मुस्कुराहट जो उसने ईरान में दी। फिर उसने अपनी आख़िरी साँस ली।

जहाँआरा को ईरान के एक छोटे से क़ब्रिस्तान में दफ़नाया गया। कोई ताज़िया नहीं निकाला गया, कोई मातम नहीं मनाया गया। क्योंकि वह एक विदेशी थी, एक लूट का सामान। और लूट के सामान की क़ब्र पर कोई फूल नहीं चढ़ाता।

लेकिन क़ब्रिस्तान के पास रहने वाले लोगों ने कुछ देखा। हर रात जब ईरान का आसमान काला होता और चाँद छिप जाता, जहाँआरा की कब्र से आवाज़ें आतीं। क्रन्दन, रोना, एक ऐसा रोना जो किसी किशोरी का हो। ना चीख, ना गुस्सा, बस एक साफ़, शुद्ध, दिल तोड़ने वाला रोना। कभी कभी वह आवाज़ कुछ कहती थी धीमी, बिखरी हुई, टूटी टूटी आवाज़ में। अम्मी... अब्बा... दिल्ली... यमुना...।

क़ब्रिस्तान का चौकीदार रज़ा हर रात यह सब सुनता। शुरू में डर लगता था, फिर तकलीफ़ होती थी, फिर एक दिन उसे भी रोना आ गया। क्योंकि उसने समझ लिया कि यह कोई भूत प्रेत नहीं है। यह एक बेटी की आवाज़ है जो अपने घर को याद कर रही है। रज़ा ने एक दिन कब्र पर एक गुलाब का फूल रखा। अगली रात क्रन्दन थोड़ा कम हुआ। उसने फिर फूल रखा। फिर फूल रखा। वह रोज़ फूल रखने लगा।

ईरान में एक भारतीय विद्वान प्रोफेसर हरिश्चंद्र था। उसे क़ब्रिस्तान के क्रन्दन के बारे में पता चला। वह देखने भी गया। उसने वही क्रंदन सुना और फिर भारत के एक दोस्त को चिट्ठी लिखी। मेरे प्यारे दोस्त, मैं वहाँ गया जहाँ जहाँआरा बेगम दफ़न है। मैंने जो सुना वह तुम्हें बता रहा हूँ। यह कोई कहानी नहीं है, यह सच है। हर रात उसकी कब्र से आवाज़ें आती हैं। वह दिल्ली माँगती है, यमुना माँगती है, अपने अब्बा की आवाज़ माँगती है। और हम? हमने तख़्त-ए-ताऊस और कोहिनूर को याद किया, लेकिन जहाँआरा को किसी ने याद नहीं रखा। हम चीज़ों को याद तो रखते हैं, इंसानों को नहीं। तुम्हारा हरिश्चंद्र।

ईरान की धूल भरी सरज़मीं पर आज भी वह मज़ार मौजूद है। उसके ऊपर एक पत्थर है, बेनाम, खामोश और वक्त की मार से घिसा हुआ। राहगीर वहां से गुजरते हैं, मगर कोई नहीं जानता कि इस बेजान पत्थर के नीचे एक सल्तनत की शहजादी की गरिमा दफ़न है। ईरान के आसमान पर जब स्याह रात अपनी चादर फैलाती है, तो फिज़ाओं में एक अजीब सी हलचल होने लगती है। कभी वह किसी ऊँची चीख़ की तरह सन्नाटे को चीरती है, तो कभी किसी ठंडी आह की तरह कानों में घुल जाती है। पर शब्द हमेशा वही रहते हैं। दिल्ली... मेरा वजूद... मुझे दिल्ली ले चलो...

जहाँआरा कभी मरी ही नहीं। वह तो उस 'आवाज़' में तब्दील हो गई है जो हर उस इंसान के भीतर गूँजती है जिसका घर उससे छीन लिया गया हो। वह आवाज़ जो बताती है कि साम्राज्य ढह सकते हैं, सिंहासन लूटे जा सकते हैं, पर एक रूह की अपने वतन के लिए तड़प कभी खामोश नहीं की जा सकती।

शहज़ादी की वह आवाज़ आज भी दिल्ली की तलाश में भटक रही है... और शायद हमेशा भटकती रहेगी।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज

9890122603

writersanjay@gmail.com

कलयुग केवल नाम अधारा

राम नाम अवलंब बिनु परमारथ की आस।
बरसत वारिद बूँद गहि चाहत चढ़न अकास।।

श्री राम का नाम परमार्थ अर्थात धर्म, अर्थ, काम मोक्ष प्रदान करता है। उनके नाम के बिना भवसागर से पार होने की कल्पना कुछ ऐसी ही है, जैसे कोई बारिश की बूँदों के सहारे आकाश में जाना चाहता हो। अर्थ स्पष्ट है, श्री राम का नाम तारणहार है।

श्री राम के नाम को, उनकी अतुल्य जीवनयात्रा को घर-घर और जन-जन तक जनभाषा में पहुँचानेवाले ग्रंथ का नाम है, रामचरितमानस। कौशल्या हितकारी राम से रणकर्कश श्री राम की कथा है रामचरितमानस, राजा राम से लोकनायक श्री राम होने की गाथा है रामचरितमानस। रामचरितमानस श्रीराम के व्यक्तित्व और कृतित्व की अशेष यात्रा है। रामचरितमानस में को अवधी भाषा में लिखा गया है।

गोस्वामी तुलसीदास जी ने इस अमर कृति का लेखन विक्रम संवत 1631 तदनुसार ईस्वी सन 1574 को मंगलवार श्री रामनवमी के दिन आरंभ किया था। यह लेखन 2 वर्ष 7 महीने और 26 दिन चला। विक्रम संवत 1633 अर्थात ईस्वी सन 1576 को श्री राम विवाह के दिन यह संपन्न हुआ।

रामचरितमानस में कुल सात खंड / अध्याय हैं, बालकांड, अयोध्याकांड, अरण्यकांड, किष्किन्धाकांड, सुन्दरकांड, लंकाकांड और उत्तरकांड।

मानस में संस्कृत और प्राकृत के कुल मिलाकर 18 छंदों में सृजन हुआ है। रामचरितमानस में कुल 10902 पद हैं। इनमें 9388 चौपाई हैं। मानस में 1172 दोहा हैं। इसमें 87 सोरठा हैं। इस महाकाव्य में 208 छंद हैं जिनमें हरिगीतिका, त्रिभंगी, तोमर, चौपैया सम्मिलित हैं। इस कालजयी ग्रंथ में 47 श्लोक हैं। इन श्लोकों में शार्दूलविक्रीडित, अनुष्टुप, प्रमाणिका, वंशस्थ, उपजाति, मालिनी, वसंततिलका, रथोद्धता, भुजंगप्रयात, तोटक, स्रग्धरा हैं।

यद्यपि स्थूल रूप से देखें तो रामचरितमानस, रामकथा है, तथापि सूक्ष्म अवलोकन-अध्ययन करें तो पाएँगे कि इसके अक्षर-अक्षर में जीवनमूल्य और नीतिमत्ता साक्षात दृष्टिगोचर होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि श्री राम का जीवनवृत्त ही ऐसा है। संभवत: यही कारण था, जिसने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त से लिखवाया,

राम, तुम्हारा चरित स्वयं ही काव्य है।
कोई कवि बन जाय, सहज संभाव्य है।।

रामचरितमानस ने श्री राम को एक अनन्य व्यक्तित्व के रूप में स्थापित किया। राम मर्यादापुरुषोत्तम हैं, लोकहितकारी हैं।राम एकमेवाद्वितीय हैं। रामचरितमानस पढ़ना अर्थात सदाचार, नीतिमत्ता और जीवन के आदर्श पढ़ना। विशेषकर उत्तरभारत में तो मानस के दोहे और चौपाइयाँ, लोकोक्तियों के समान चलन में हैं। अवधी में होने के कारण रामचरितमानस सार्वजनीन हुआ, जन-जन की जिह्वा का गान बना। जिस तरह बालक को दादी, नानी कहानी सुनाती हैं, कुछ उसी तरह हर आयुसमूह के लिए दादी, नानी की लोककथा बना रामचरितमानस। यही कारण है कि गोस्वामी तुलसीदास रचित मानस का पारायण आगे चलकर परम्परा बना।

वस्तुत: संसार रूपी सागर में हर मनुष्य एक घड़ा है, एक घट है। इस घट में रावण का निवास है पर श्रीराम का भी वास है। मनुष्य से अपेक्षित है कि वह भीतर के श्रीराम का जागरण और अंतर्भूत रावण का मर्दन करे।अपने अवगुणों का दहन, और रामत्व का जागरण ही रामचरितमानस का सच्चा पारायण है।

'रामत्व' की अनुकम्पा गोस्वामी तुलसीदास को प्राप्त हुई थी। तभी श्रीरामचरितमानस में आपने लिखा,

जड़ चेतन जग जीव जत सकल राममय जानि।
बंदउँ सब के पद कमल सदा जोरि जुग पानि।।

अर्थात जगत में जितने जड़ और चेतन जीव हैं, सबको राममय जानकर मैं उन सबके चरणकमलों की सदा दोनों हाथ जोड़कर वन्दना करता हूँ।

गोस्वामी जी के कविरूप का ध्रुवतारा है रामचरितमानस। कहा गया है,

कलयुग केवल नाम अधारा।
सुमिर सुमिर नर उतरहिं पारा।

कलयुग में केवल श्री राम का नाम एक आधार है। उनके सुमिरन मात्र से, केवल उनके स्मरण से मनुष्य भवसागर पार हो जाता है।

श्री राम के चरित के माध्यम से जीवन की ज्ञात, अज्ञात स्थितियों को जानने, समझने और हल की दिशा पर प्रकाश डालने का माध्यम है रामचरितमानस। कालजयी साहित्य का सार्वकालिक उदाहरण है रामचरितमानस।

श्रावण शुक्ल सप्तमी को गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती थी। विश्व को रामचरितमानस जैसा अनन्य महाकाव्य देनेवाले गोस्वामी जी को नमन।

बोध कथा

चिड़िया और बन्दर

एक जंगल में एक पेड़ पर गौरैया का घोंसला था। एक दिन कड़ाके की ठंड पड़ रही थी। ठंड से कांपते हुए तीन चार बंदरो ने उसी पेड़ के नीचे आश्रय लिया। एक बंदर बोला कहीं से आग तापने को मिले तो ठंड दूर हो सकती हैं।दूसरे बंदर ने सुझाया देखो, यहां कितनी सूखी पत्तियां गिरी पड़ी हैं। इन्हें इकट्ठा कर हम ढेर लगाते हैं और फिर उसे सुलगाने का उपाय सोचते हैं।बंदरों ने सूखी पत्तियों का ढेर बनाया और फिर गोल दायरे में बैठकर सोचने लगे कि ढेर को कैसे सुलगाया जाए। तभी एक बंदर की नजर दूर हवा में उड़ते एक जुगनू पर पड़ी और वह उछल पड़ा। उधर ही दौड़ता हुआ चिल्लाने लगा देखो, हवा में चिंगारी उड़ रही हैं। इसे पकड़कर ढेर के नीचे रखकर फूंक मारने से आग सुलग जाएगी। हां हां! कहते हुए बाकी बंदर भी उधर दौड़ने लगे। पेड़ पर अपने घोंसले में बैठी गौरैया यह सब देख रही थे। उससे चुप नहीं रहा गया। वह बोली बंदर भाइयो, यह चिंगारी नहीं हैं यह तो जुगनू हैं। एक बंदर क्रोध से गौरैया की देखकर गुर्राया मूर्ख चिड़िया, चुपचाप घोंसले में दुबकी रह।हमें सिखाने चली है।

इस बीच एक बंदर उछलकर जुगनू को अपनी हथेलियों के बीच कटोरा बनाकर कैद करने में सफल हो गया। जुगनू को ढेर के नीचे रख दिया गया और सारे बंदर लगे चारों ओर से ढेर में फूंक मारने। गौरैया ने सलाह दी भाइयो! आप लोग गलती कर रहे हैं। जुगनू से आग नहीं सुलगेगी। दो पत्थरों को टकराकर उससे चिंगारी पैदा करके आग सुलगाइए। बंदरों ने गौरैया को घूरा। आग नहीं सुलगी तो गौरैया फिर बोल उठी भाइयो! आप मेरी सलाह मानिए, कम से कम दो सूखी लकड़ियों को आपस में रगड़कर देखिए। सारे बंदर आग न सुलगा पाने के कारण खीजे हुए थे। एक बंदर क्रोध से भरकर आगे बढ़ा और उसने गौरैया पकड़कर जोर से पेड़ के तने पर मारा। गौरैया फड़फड़ाती हुई नीचे गिरी और मर गई।

वीर गाथा

एक गोली, एक फैसला... पुलवामा में खूंखार आतंकवादी को किया धराशायी

हवलदार घनश्याम सिंह का जन्म राजस्थान के भरतपुर जिले के गांव नगला खटका में हुआ था। माता वेदवती देवी और पिता बलराम सिंह के बेटे घनश्याम राष्ट्रीय राइफल्स की 55वीं बटालियन के वीर योद्धा हैं। वे वर्ष 2021 में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में तैनात थे।

उन्हें 13 जुलाई को देर रात आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूचना मिली थी। घनश्याम को उस इलाके की गहरी जानकारी थी।

उन्होंने अपने साथी जवानों को इस तरह तैनात किया, जिससे एक भी आतंकवादी बचकर न निकल सके।

14 जुलाई की सुबह एक आतंकवादी ने घनश्याम सिंह और अन्य जवानों की ओर गोलीबारी कर घेरा तोड़कर भागने की कोशिश की। उस समय घनश्याम ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादी को भागने से रोक दिया।

वह आतंकवादी एक मकान में छिप गया था। उसे मार गिराने के लिए मकान के नजदीक जाना जरूरी था। घनश्याम ने आगे बढ़कर यह जिम्मेदारी ली। उन्होंने उस मकान की ओर कदम बढ़ाए और आतंकवादी को ललकारा।

आतंकवादी ने घनश्याम की ओर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन उन्होंने अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए निशाना साधा। जल्द ही, वह आतंकवादी ढेर हो गया। शिनाख्त करने पर पता चला कि वह ए प्लस प्लस श्रेणी का एक खूंखार आतंकवादी था।

हवलदार घनश्याम सिंह ने अपना सैन्य कर्तव्य निभाते हुए अदम्य साहस दिखाया और एक कट्टर आतंकवादी को धराशायी कर देश की सुरक्षा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। उन्हें 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अभिनेत्री सना सुल्तान खान और बसीर अली मुंबई में सना सुल्तान द्वारा लॉन्च किए गए पहले सैलून के उद्घाटन अवसर पर।

मेरा काम ट्रॉफी जीतना और मैं बस इसी की परवाह करता हूं : गंभीर

कोलंबा/भाषा। लगातार खराब नतीजों के बाद हो रही आलोचनाओं और 'बाहरी शोर' से बेपरवाह भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि उनका पूरा ध्यान भारत के लिए ट्रॉफियां जीतने पर है। गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद भारत को न्यूज़ीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के खिलाफ उसकी धरती पर 2-2 से टेस्ट श्रृंखला ड्रॉ करना उनके कार्यकाल में एक सकारात्मक पहलू रहा है। रविवार से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से एक दिन पहले गंभीर से जब उनकी आलोचनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, आलोचना? मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है। मैं सिर्फ इसी में विश्वास करता हूं और इसी की परवाह करता हूं। यही मेरे और बाकी लोगों के बीच अंतर है। मुझे विचारों या लाइक्स' की चिंता नहीं है।

चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ अपनी बातचीत के बारे में पूछे जाने पर गंभीर ने कहा कि चर्चा का केंद्र भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने और सही फैसले लेने पर रहता है। उन्होंने कहा, काश मैं आपको मुख्य कोच और चयन समिति के अध्यक्ष के बीच हुई बातचीत के बारे में बता पाता। यह बातचीत सिर्फ इस बात पर केंद्रित होती है कि क्रिकेट में हम आगे कैसे बढ़ना चाहते हैं, क्या महत्वपूर्ण है और खेल की बेहतरी के लिए कौन से सही फैसले किए जाने चाहिए। इसलिए फिलहाल हमारी चर्चा पूरी तरह क्रिकेट और भविष्य में खेल को लेकर हमारी सोच तक सीमित है। गंभीर ने यह स्वीकार किया कि खिलाड़ियों के लगातार चोटिल होने के मुद्दे पर टीम प्रबंधन के शीर्ष स्तर पर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा, इस श्रृंखला में भी हम कई खिलाड़ियों की सेवाओं से वंचित रहे हैं। इस मामले पर कुछ चर्चा हुई है। यह सिर्फ बीसीसीआई की बात नहीं है, बल्कि समग्र रूप से हमारी कोशिश यही है कि हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी ज्यादा से ज्यादा क्रिकेट खेलें। इससे टीम में निरंतरता बनी रहेगी और हम अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को नियमित रूप से सही दिशा में आगे बढ़ा सकेंगे। भारत इस समय विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में पांचवें स्थान पर है। उससे ऊपर ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, न्यूज़ीलैंड और बांग्लादेश हैं। हालांकि, गंभीर ने रैंकिंग को ज्यादा महत्व देने से इनकार किया।

चीन जल्द ही चंद्रमा पर बर्फ की खोज के लिए अभियान शुरू करेगा

सिडनी/द कन्वरसेशन। चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम जल्द ही हाल के वर्षों के सबसे अभिनव चंद्र अन्वेषण अभियानों में से एक शुरू करने जा रहा है। इस मिशन का उद्देश्य उन स्थानों का अध्ययन करना है, जहां सूर्य की रोशनी कभी नहीं पहुंचती और जहां चंद्रमा पर मौजूद जल-बर्फ के बारे में अब भी कई अहम सवालों के जवाब नहीं मिले हैं।

करीब दो दशक से हम सब इस बात से अवगत हैं कि चंद्रमा पर किसी न किसी रूप में पानी मौजूद है। हालांकि, अब भी यह स्पष्ट नहीं है कि हमेशा छाया में रहने वाले विभिन्न 'क्रेटर' (गर्त) में कितनी मात्रा में ऐसी जल-बर्फ है जिसे हासिल किया जा सकता है, वह सतह से कितनी गहराई पर मौजूद है और उसका स्वरूप कैसा है।

अमेरिका ने कनाडाई उत्पादों पर लगाया 50 प्रतिशत आयात शुल्क, कनाडा ने भी जवाबी कार्रवाई की घोषणा की

वॉशिंगटन/भाषा। अमेरिका ने कनाडा के 20 अरब डॉलर मूल्य के उत्पादों पर शनिवार को 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगा दिया। इसके जवाब में कनाडा ने भी जवाबी कार्रवाई करने की घोषणा की है। दोनों देशों के बीच पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को सुधारने के लिए आखिरी समय में हुई बातचीत के विफल होने के बाद यह कदम उठाया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए इन आयात शुल्कों का असर कनाडा से अमेरिका भेजे जाने वाले कुल सामानों के लगभग पांच प्रतिशत हिस्से पर पड़ेगा।

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने एक बयान में कहा, कनाडा अपने कामगारों और व्यवसायों की रक्षा के लिए उन शुल्कों का डॉलर के मुकाबले डॉलर से जवाब देगा। कनाडा की जवाबी कार्रवाई से व्यापार संघर्ष और बढ़ गया है। इससे अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको के बीच उत्तर अमेरिकी व्यापार समझौते के भविष्य पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। यह समझौता तीनों देशों के उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण है। ट्रंप प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि कनाडा ने इस्पात, एल्युमीनियम, ऑटो और लकड़ी (लंबर) पर अमेरिकी शुल्कों में छूट की मांग की थी, जिसे देने के लिए अमेरिका तैयार नहीं था। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर ने आधी रात से कुछ समय पहले संवाददाताओं से बातचीत के दौरान एक बयान पढ़ते हुए कहा, इस सप्ताह की शुरुआत में जिन शर्तों पर सहमति बनी थी, कनाडा ने उनके आधार पर व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने से आज रात इनकार कर दिया। ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने कनाडा को अपने बाजार में प्रमुख निर्यातक देशों के बीच सबसे अनुकूल शर्तें देने की पेशकश की थी, लेकिन कनाडा ने बाद में नई मांगें रख दीं और पहले की कुछ प्रतिबद्धताओं से पीछे हट गया। इससे पिछले कुछ दिनों में बनी सहमति का संतुलन बिगड़ गया। कार्नी ने बातचीत विफल होने के लिए वॉशिंगटन को जिम्मेदार ठहराया।

उन्होंने कहा कि अमेरिका की प्रस्तावित शर्तों में अंतिम समय में किए गए बदलाव अनुचित और आर्थिक रूप से नुकसानदायक थे तथा उन्होंने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। कार्नी ने कहा कि उन्होंने बातचीत निलंबित कर दी है और कनाडाई वार्ता दल को ओटावा लौटने का निर्देश दिया है। कार्नी ने कहा कि उनकी सरकार आने वाले दिनों में कनाडाई कामगारों और व्यवसायों के लिए अतिरिक्त सहायता की घोषणा करेगी।

बॉबी देओल ने शुरू की 'आश्रम 4' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता बॉबी देओल ने मशहूर वेब सीरीज 'आश्रम' के सीजन-4 की शूटिंग शुरू कर दी है। शनिवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की पुष्टि की। मेकर्स प्रकाश झा प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर एक क्लैपबोर्ड की तस्वीर पोस्ट की, जिस पर आश्रम लिखा हुआ है। इसमें पूजा की जगह पर रखा एक क्लैपरबोर्ड दिख रहा है, जिस पर 'आश्रम 4' लिखा हुआ है। मेकर्स ने पोस्ट कर लिखा, एक और आरंभ... आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है। जपनाम... 'आश्रम 4' की शूटिंग शुरू।जैसे ही पोस्ट सामने आया, फैंस और इंडस्ट्री के तमाम लोगों ने अपनी खुशी जाहिर की। बॉबी इस शो के नए सीजन में एक बार फिर 'बाबा निराला' के किरदार में नजर आएंगे। 'आश्रम' के सीजन- 4 में अदिति पोहनकर पम्मी और चंदन रॉय सान्याल भोपा स्वामी के किरदार में नजर आएंगे। इसके साथ ही दर्शन कुमार, अनुप्रिया गोयनका, ईशा गुप्ता, अध्ययन सुमन और त्रिधा चौधरी भी पिछले सीजन्स वाले किरदारों में लौटेंगे।प्रकाश झा के डायरेक्शन में बनी 'आश्रम' बाबा निराला की कहानी दिखाती है, जो खुद को भगवान बताने वाले एक बाबा हैं। वह राजनीति, अपराध और अंधविश्वास का फायदा उठाकर अपना साम्राज्य खड़ा करते हैं।

बॉबी देओल अभिनीत लोकप्रिय वेब सीरीज 'आश्रम' के अब तक तीन सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिसका निर्देशन प्रकाश झा ने किया है।ड्रामा का पहला सीजन 28 अगस्त, 2020 को एमएक्स प्लेयर पर प्रीमियर हुआ था। इसके बाद दूसरा सीजन आया, जो 11 नवंबर, 2020 को दर्शकों तक पहुंचा। 'आश्रम' का तीसरा सीजन जून 2022 में आया था। 'आश्रम' के पिछले सीजन की सफलता को देखते हुए, ड्रामा के लेटेस्ट इंस्टॉलमेंट से उम्मीदें बहुत ज्यादा हैं।

विरोध

पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट में शनिवार को मतदाता अधिकार सुरक्षा समन्वय समिति के सदस्यों ने मतदाता सूची में सभी वैध मतदाताओं के नाम शामिल करने की मांग को लेकर एक रैली निकाली।

केके की आवाज में बसता था हर दिल का अफसाना

नई दिल्ली/एजेन्सी

कोई कहे, कहता रहे कितना भी हमको दीवाना, हम लोगों की ठोकर में है ये जमाना, जब साज है, आवाज है, फिर किसलिए हिचकिचाना। यह वो आवाज थी जो बस दिल में उतर जाती थी। यह आवाज कॉलेज के गलियारों में गूंजती थी। यह आवाज कानों में ईयरफोन लगाकर सुनी गई पहली मोहब्बत की भी थी। बात हो रही है कि दिवंगत गायक केके की। केके का पूरा नाम कृष्ण कुमार कुन्नथ था। 23 अगस्त 1968 को केके दिल्ली में जन्मे, लेकिन परिवार मलयाली था। केके ने सेंट मैरी स्कूल से स्कूल की पढ़ाई पूरी की और किरोड़ीमल कॉलेज से कॉमर्स में ग्रेजुएशन पूरी की। उन्होंने दो साल की उम्र से ही गाना शुरू कर दिया था और वे अपने कॉलेज के रॉक बैंड का हिस्सा भी थे। उन्हें यूटीवी के लिए सिंगर लेस्ली लुईस का एक मिनट का जिंगल गाने का मौका मिला, जिससे उनके करियर की शुरुआत हुई। किशोर कुमार की गायकी और आरडी बर्मन का संगीत केके पर बड़ा गहरा असर डालता था, लेकिन बॉलीवुड में गायक बनना इतना आसान नहीं होता है। केके ने जिंगल्स बनाने शुरू किए। बॉलीवुड में आने से पहले केके ने अनेकों जिंगल्स बनाए। इसके बाद उन्होंने मुंबई का रुख किया।

उनकी जिंदगी का एक किस्सा यह बताया जाता है कि ग्रेजुएशन के बाद छह-आठ महीने केके ने सेल्समैन की नौकरी भी की। यह नौकरी उन्होंने इसलिए की कि उन्हें शादी करनी थी। एक लड़की से उन्हें प्यार था और उसके परिवार को दिखाना था कि लड़का नौकरी करता है। हालांकि, छह-आठ महीने बाद केके समझ चुके थे कि उनकी नियति सेल्समैन बने रहना नहीं था। उनकी मंजिल कुछ और थी जिसको तलाशने के लिए केके ने खुद को आजमाना शुरू कर दिया। 1999 में जब भारतीय क्रिकेट टीम वर्ल्ड कप खेलने जा रही थी, तब केके ने टीम के लिए 'जोश ऑफ इंडिया' गाना गाया। इस गाने ने टीम इंडिया में खूब जोश भरा। बिना किसी ट्रेनिंग और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में बिना किसी गॉडफादर के, युवा केके ने 1990 के दशक की शुरुआत में म्यूजिक कंपोजरों के दरवाजे खटखटाना शुरू कर दिया था।

तड़प तड़प के इस दिल से आह निकलती रही, मुझको सजा दी प्यार की, ऐसा क्या गुनाह किया, तो लुट गए हां लुट गए, तो लुट गए हम तेरी मोहब्बत में

बॉलीवुड फिल्म के लिए गाने का उनका सपना तब सच हुआ, जब विशाल भारद्वाज ने उन्हें संपूर्ण सिंह गुलजार की फिल्म 'माचिस' (1996) में छोड़ आए हम गाना गाने के लिए कहा। लेकिन उन्हें बड़ी पहचान संजय लीला भंसाली की फिल्म 'हम दिल दे चुके सनम' (1999) के बेहद लोकप्रिय गाने तड़प तड़प से मिली।केके की खासियत उनके गानों का ताजापन और जोश था। जहां बॉलीवुड एक के बाद एक रोमांटिक गाने बना रहा था, वहीं केके के शुरुआती हिट गाने दोस्ती और जिंदगी के उतार-चढ़ाव व पुरानी यादों के खट्टे-मीठे एहसास के बारे में थे। चाहें छोड़ आए हम वो गलियां, जहां तेरे पैरों के कंवल गिरा करते थे, हंसे तो दो गालों में भंवर पड़ा करते थे। या सच कह रहा है दीवाना दिल, दिल ना किसी से लगाना। झूठे हैं यार के वादे सारे, झूठी हैं प्यार की कस्में। बॉलीवुड में केके की आवाज ने ऐसा जादू किया कि उनके पास लंबी फेहरिस्त बनती चली गई। वे लोगों के दिलों में भी बस चुके थे। केके की आवाज में एक अलग कशिश थी। उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, बंगाली, असमिया और गुजराती भाषाओं की फिल्मों में गाने रिकॉर्ड किए। केके कोलकाता में लाइव परफॉर्म कर रहे थे, लेकिन स्टेज के इस कलाकार ने स्टेज पर ही आखिरी सांस ली। केके को उन लोगों के सामने हार्टअटैक आया, जो इस बेहतरीन गायक के फन के मुरीद थे। केके 53 साल की उम्र में 31 मई 2022 को इस दुनिया को छोड़कर चले गए। हालांकि, कलाकार कभी मरता नहीं है, केके अपनी हमेशा गूंजने वाली आवाज के जरिए श्रोताओं के दिलों में जिंदा हैं।

कुब्रा सैत ने शुरू की 'फर्जी 2' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कुब्रा सैत ने अपनी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज़ 'फर्जी 2' की शूटिंग शुरू कर दी है। पहले सीज़न में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली कुब्रा अब एक बार फिर सायरा के किरदार में वापसी कर रही हैं। इसके मद्देनज़र कुब्रा ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर अपनी वैनिटी वैन के बाहर खिंचवाई गईं कई तस्वीरें साझा की हैं, जिन पर 'सायरा' और 'फ़र्ज़ी 2' लिखा हुआ नजर आ रहा है।तस्वीरों के साथ उन्होंने मज़ाकिया अंदाज़ में लिखा है, क्या ये झूठी खबर है ? लेकिन फिर खुद ही इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा है, हाँ यार! आख़िरकार बेहद उत्साहित हूँ... तो चलिए, 'फ़र्ज़ी 2' की शुरुआत करते हैं! कुब्रा ने इस दिलचस्प पोस्ट के साथ कैप्शन में यह भी लिखा है, चलिए, अब इस ढेर सारी खुशी की शुरुआत करते हैं! फिलहाल इस पोस्ट के ज़रिये शो को लेकर कुब्रा की ख़ुशी और उत्साह, साफ नज़र आ रहा है।वैसे कुब्रा इससे पहले भी बता चुकी हैं कि जब उन्हें 'फर्जी' ऑफर हुई थी, तब उन्होंने दोनों सीज़न के लिए एक साथ कमिटमेंट किया था। अब उनकी यह पोस्ट उस लंबे इंतज़ार के खत्म होने और दूसरे सीज़न की शुरुआत का संकेत है। राज और डीके द्वारा निर्मित 'फर्जी' में कुब्रा सैत के साथ शाहिद कपूर, विजय सेतुपति, राशि खन्ना, भुवन अरोड़ा, के के मेनन और ज़ाकिर हुसैन अहम भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं। पहले सीज़न में कुब्रा ने सायरा का किरदार निभाया था, जो के के मेनन के किरदार मंसूर दलाल से जुड़ी हुई थी। हालांकि दूसरे सीज़न में उनके किरदार की कहानी किस दिशा में आगे बढ़ेगी, इसे लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो कुब्रा सैत पिछले साल फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के बाद इस साल निर्माता-निर्देशक प्रकाश झा की वेब सीरीज़ 'संकल्प' में नजर आई थीं, जहां उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों, ने काफी सराहा था। गौरतलब है कि अभिनय के अलावा लेखन, होस्टिंग और हाल ही में स्टैंड-अप कॉमेडी में भी अपनी पहचान बना चुकी कुब्रा सैत, टैलेंट का पावरहाउस बन चुकी हैं। यही वजह है कि 'फर्जी 2' के साथ उनकी वापसी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

मनोज बाजपेयी पहली बार निभाएंगे महात्मा गांधी का किरदार

मुंबई/एजेन्सी

फिल्ममेकर सुधीर मिश्रा ने अभिनेता मनोज बाजपेयी के साथ अपनी आने वाली फिल्म को लेकर एक अहम जानकारी साझा की है। अभी इस फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है, लेकिन निर्देशक के मुताबिक, कहानी महात्मा गांधी के जीवन के उस दौर पर आधारित है, जो भारत की आजादी के समय का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा था। फिल्म में आजादी के इतिहास के बीच महात्मा गांधी के जीवन के 21 दिनों को करीब से दिखाने की कोशिश की जाएगी। यह फिल्म सुधीर मिश्रा की बड़े पर्दे पर वापसी भी है। फिल्म में देश की आजादी के बड़े घटनाक्रम के साथ एक इंसान के तौर पर महात्मा गांधी की कहानी को दिखाया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए सुधीर मिश्रा ने कहा, ''यह नई फिल्म इतिहास के एक जरूरी, लेकिन कम चर्चित अध्याय पर ध्यान देती है। यह भारत की आजादी के दौरान महात्मा गांधी के जीवन के 21 दिनों की कहानी है।'' फिल्म की सबसे खास बात यह है कि मनोज बाजपेयी पहली बार महात्मा गांधी का किरदार निभाने जा रहे हैं। अपने लंबे करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभा चुके मनोज के लिए यह भूमिका बेहद चुनौतीपूर्ण मानी जा रही है। फिल्म में वह गांधीजी के व्यक्तित्व के उस मानवीय पहलू को पर्दे पर लाने की कोशिश करेंगे,

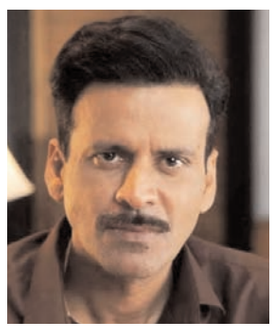

जिसे आम तौरपर इतिहास की किताबों में ज्यादा विस्तार से नहीं बताया जाता।

सुधीर मिश्रा ने बताया, ''उस समय जब देश आजादी की ओर बढ़ रहा था और दिल्ली सत्ता का केंद्र बन रही थी, गांधीजी ने एक अप्रत्याशित फैसला लिया। उन्होंने वहां से दूर जाने का रास्ता चुना। लेकिन उनका यह कदम पीछे हटना नहीं था। इसके बजाय उन्होंने खुद को एक नए रूप में देखा।''सुधीर मिश्रा ने बताया, ''इतिहास की किताबों में उस दौर की बड़ी घटनाएं दर्ज हैं, लेकिन उनकी फिल्म उन घटनाओं के पीछे छिपी कहानी को सामने लाएगी। फिल्म यह दिखाने की कोशिश करेगी कि गांधीजी के उस फैसले के पीछे क्या सोच थी और एक नेता के तौर पर वह खुद को किस तरह नए सिरे से समझ रहे थे।'' फिल्म में अभिनेता सौरभ शुक्ला भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण अनुभव सिन्हा कर रहे हैं।

जानवरों को टारगेट करना बंद करो : दिव्या दत्ता

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री दिव्या दत्ता जानवरों के प्रति खास जुड़ाव रखती हैं और अक्सर उनके प्रति प्यार और सुरक्षा को लेकर अपनी राय रखती रहती हैं। शुक्रवार को अभिनेत्री ने एक खास पोस्ट की, जिसके जरिए उन्होंने स्ट्रीट डॉग्स की सेफ्टी को लेकर खास अपील की। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उनके मेकअप रूप पर एक स्ट्रीट डॉग बैठा है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि एक डॉग उनके मेकअप रूप के बाहर असहाय हालत में बैठा था, जिसके बाद उन्होंने उसे अपने मेकअप रूप में बुला लिया। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने लिखा, डॉग सेट पर इधर-उधर खाना ढूंढ़ रही थी, लोग उसे नजरअंदाज कर रहे थे या फिर डांटकर भगा रहे थे। उसी समय मैं अपना मेकअप टचअप करवाने आई थी। डॉग दरवाजे से झांक रही थी, जैसे पूछ रही हो, क्या मैं अंदर आ सकती हूं? और बस मुझे इतना कहा कि आजा और वह चुपचाप अंदर आ गई थोड़ी डरी हुई। मैंने पूछा कि कुछ खाएंगी? बाद में उसने पूंछ हिलाई और मेरे पास आकर बैठ गई।

अभिनेत्री ने बताया कि बाद में उनका असिस्टेंट उसके लिए खाना और दूध लेकर आया था। उन्होंने लिखा, वह बहुत भूखी थी, मेरे असिस्टेंट ने उसे जो दिया था। उसने तुरंत ही सब कुछ खत्म कर दिया और ज्यादा नहीं मांगा। बस वहीं बैठी रही। शायद कमरे में सेफ महसूस कर थी। उसे देख सभी के चेहरे में स्माइल आ गई थी।अभिनेत्री ने सभी सवाल करते हुए लिखा कि हम उन्हें भगाते, मारते और दूर क्यों करते हैं, जो हम पर डिपेंड हैं? जिनका हमारे साथ रहने का उतना ही हक है? पहले मुझे स्ट्रीट डॉग से बहुत डर लगता था। उन्होंने लिखा, मैं अब जब भी देखती हूं कि इन जानवरों को लगातार टारगेट किया जाता है, तो मैं खुद आगे बढ़कर उनकी मदद करती हूं। उन्हें ज्यादा कुछ नहीं चाहिए, बस थोड़ा खाना और प्यार की चाहत है। हम कौन होते हैं ये तय करने वाले कि हमारे साथ कौन रहेगा और कौन नहीं, ये ऊपर वाले का काम है। उन्होंने आगे लिखा, हमारा काम बस ऊपर वाले की कायनात में सबके साथ मिल-जुल कर रहना है।

अज्ञानता को दूर करने का सबसे सशक्त माध्यम होता है प्रवचन : मुनिश्री मोक्षानंदविजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गोड़वाड़ भवन में चातुर्मासार्थ विराजित गच्छाधिपति आचार्यश्री नित्यानंदसूरीश्वरजी की निश्रा में दैनिक प्रवचन देते हुए मुनिश्री मोक्षानंद विजयजी ने शनिवार को कहा कि चार प्रकार की गतियों में भटकने का कारण आत्मा के साथ बंधे हुए कर्म हैं। जीव के साथ कर्म बंधन अनादिकाल से चला आ रहा है। आहार, भय , मैथुन और परिग्रह इन चार संज्ञाओं के कारण जीव बारम्बार कर्म बाँधता है। इन चार संज्ञाओं को जीतने के परमात्मा ने चार प्रकार के धर्मों का प्रतिपादन किया। आहार संज्ञा को तप धर्म द्वारा, भय संज्ञा को भाव धर्म द्वारा, मैथुन संज्ञा को शील धर्म द्वारा और परिग्रह संज्ञा को दान धर्म की आराधना द्वारा जीता जा सकता है।

मुनिश्री ने कहा कि ज्ञानी गुरु अज्ञानता की गहरी जमी हुई परतों को उतारने के लिए प्रवचनों के माध्यम से रास्ता बताते हैं, किंतु जीव को सत्संग सुहाता ही नहीं है। हजारों लाखों में से बहुत मुश्किल से कोई एक आत्मा जागृत होती है। परभव में जाते समय कमाया हुआ पैसा या पुत्र, पत्नी, परिवार कोई नहीं साथ देता बल्कि धर्म ही साथ देता है।

जबकि व्यक्ति दुनिया से जाता है तब उसके साथ मात्र उसके द्वारा उपार्जित शुभ या अशुभ कर्म ही साथ जाते हैं। जो जीव पुण्य और पाप से भी ऊपर उठकर आत्म शुद्धि के लिए पुरुषार्थ करता है उसे परम पद मिलता है।

उन्होंने कहा, हम दुनियादारी में सभी को धन्यवाद देते रहते हैं किंतु जिसकी परम कृपा से मनुष्य यह अनमोल जीवन और दुर्लभ धर्म सामग्री मिली उस परमेश्वर को धन्यवाद देना ही भूल जाते हैं। व्यक्ति को सुखी होना है तो उसे कभी दूसरों की सुख-साधन-सामग्री से अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। आज के व्यक्ति की सबसे बड़ी समस्या यह है कि उसका पेट तो भर जाता है लेकिन मन की पेटी कभी भरती ही नहीं। कोल्हू के बैल की भांति सारी जिंदगी घूमते रहने पर भी वो मंजिल तक नहीं पहुंचता। उल्टा जहां से चलना शुरू किया था वर्षों बाद भी खुद को वहीं का वहीं खड़े हुए पाता है। इसलिए व्यक्ति को इन चार प्रकार की संज्ञाओं से मुक्त होने हेतु चार प्रकार के धर्मों का पालन अवश्य करना चाहिए।

दोपहर में पार्श्वनाथ मॉल का आयोजन हुआ जिसमें श्री पार्श्वनाथ प्रभु के जीवन और तीर्थों के बारे में आराधकों से प्रश्न पूछे गए। अपराह्न में चिकपेट आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ के अध्यक्ष गौतमचंद सोलंकी के नेतृत्व में संघ के पदाधिकारी व सदस्य तथा माधवनगर संघ के प्रकाशचंद पिरगल ने आचार्यश्री के दर्शन का आशीर्वाद लिया। चातुर्मास समिति के कुमारपाल सिसोदिया ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

धर्म के साथ सामाजिक दायित्वों के प्रति भी जागरूकता जरूरी : डॉ पदमचन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ ट्रस्ट एवं चातुर्मास समिति, हलसूर के तत्वावधान में आचार्यश्री पार्श्वचन्दजी के सान्निध्य में डॉ. पदमचंद्रजी ने अपने प्रवचन में कहा कि व्रत श्रावक जीवन में अनुशासन और मर्यादा प्रदान करते हैं। व्रत लेने के बाद उसकी मर्यादा का पालन करना आवश्यक है तथा मन, वचन या कर्म से अतिचार हो जाए तो आलोचना, प्रायश्चित और प्रतिक्रमण के माध्यम से आत्मशुद्धि करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रतिक्रमण का अर्थ अव्रत में गई आत्मा पुन: व्रत में लौट आना अर्थात मर्यादा से विचलित होने के बाद पुनः सही मार्ग पर लौटना है। भावहिंसा, क्रोध, मान, माया, द्वेष और शोषण जैसे विकारों से बचते हुए अपनी क्षमता और मर्यादा के अनुरूप जीवन जीना ही श्रावक धर्म की सार्थकता है। वही श्रावक सच्चा धार्मिक है उसकी साधना ही धर्म कहलाता है। व्रत के बिना उस का धर्म असुरक्षित रहता है। बारह व्रत केवल धार्मिक नियम नहीं, बल्कि पाप कर्मों से बचाने का श्रेष्ठ माध्यम हैं। व्यक्ति को धर्म के साथ सामाजिक दायित्वों के प्रति भी जागरूक रहना चाहिए।

जयधुरंधरमुनिजी ने नेत्र और अंधत्व के माध्यम से क्रोध, अहंकार और विवेक का विवेचन करते हुए कहा कि शास्त्रों में भगवान को चक्षुदाता कहा गया है। चक्षु का अर्थ केवल देखने वाली आंख नहीं, बल्कि सही दृष्टि और आत्मिक दिशा भी है। जयपुरंदरमुनिजी ने संसार की चार गतियों, कर्मफल, सहनशीलता और एकाग्रता का विवेचन करते हुए कहा कि देव, मनुष्य, तिर्यंच और नरक इन चारों गतियों में जीव को किसी न किसी रूप में दुख भोगना पड़ता है।

चातुर्मास समिति के प्रमुख परामर्शदाता विजयराज लोढ़ा एवं अन्य सदस्यों द्वारा तपस्वियों का सम्मान किया गया। अध्यक्ष किशनलाल कोठारी ने सभी का स्वागत किया, मंत्री चन्द्रप्रकाश मुथा ने संचालन किया और कार्याध्यक्ष सुनील गादिया ने संघ की गतिविधियों की जानकारी दी।

आत्मा को शुद्ध और विकाररहित बनाती है तपस्या : साध्वीश्री सत्यप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सत्यप्रभाजी ने शनिवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए तपस्या के गहरे और आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रायः लोग तपस्या को केवल शरीर को साधने या उसे कष्ट देने की एक प्रक्रिया मान लेते हैं, लेकिन इसका वास्तविक प्रभाव इससे कहीं अधिक गहरा होता है। तपस्या केवल हमारे शरीर का भार ही हल्का नहीं करती, बल्कि यह हमारे मन पर जमे पापों, विकारों और नकारात्मक विचारों के भारी बोझ को भी नष्ट कर देती है। जिस प्रकार अग्नि में तपकर सोना कुंदन बन जाता है, उसी प्रकार तपस्या की आंच में तपकर हमारी आत्मा शुद्ध और विकाररहित हो जाती है। यह एक ऐसी आंतरिक यात्रा है जो हमारे भीतर बैठे अहंकार, लोभ और मोह को धीरे-धीरे गला देती है। जब मन से इन पापों का बोझ उतर जाता है, तब व्यक्ति को एक अपूर्व शांति और हल्केपन का अनुभव होता है।

साध्वीश्री तरुणशीलाजी ने साध्वीश्री मदनरेखाजी के जीवन का दृष्टांत देते हुए कहा कि सांसारिक भोग-विलास मनुष्य को अंततः विनाश की ओर ही ले जाते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि हम इन क्षणिक और बाहरी सुखों में न उलझें। उन्होंने प्रेरणा देते हुए कहा कि जीवन की असली सार्थकता भौतिक सुखों में नहीं, बल्कि भीतर की शांति में है। साध्वीश्री सुप्रगतिजी ने कहा कि हमारी दृष्टि का सीधा प्रभाव हमारे विचारों पर पड़ता है, यदि हमारी आंखें अच्छी होंगी और हम सकारात्मक देखेंगे, तो हमारा मन स्वतः ही निर्मल और शांत हो जाएगा। आराधना केंद्र के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा और महामंत्री महावीर चन्द मेहता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संतदर्शन

बेंगलूरु के कामधेनु गौशाला के पदाधिकारियों ने शनिवार को गोडवाड़ भवन में आचार्यश्री नित्यानंदसूरीजी, मोक्षानंद विजयजी आदि के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। गौशाला की संस्थापिका शारदा चौधरी, अध्यक्ष राजुल संचेती एवं अन्य ने आचार्यश्री से गायों के संरक्षण व संवर्धन विषय पर चर्चा की। इस मौके पर गोड़वाड़ भवन के चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया भी उपस्थित थे।

जीवों की रक्षा कर मनाना चाहिए रक्षाबंधन : साध्वीश्री मंगलज्योति

बेंगलूरु। शहर के वर्द्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मंगलज्योतिजी ने शनिवार को अपने प्रवचन में कहा कि हमें भाव रक्षा बंधन रोज मनाना चाहिए ताकि हम सब जीवों की रक्षा कर सकें। उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम साधक को जीव-अजीव आदि तत्वों का ज्ञान करना, उनके सही स्वरूप को समझना बहुत जरूरी है।

साध्वी ऋजु प्रज्ञाजी ने आगम वाणी श्री आचरांग सूत्र के माध्यम से छह काय जीवों पर सारगर्भित विवेचना करते हुए कहा कि यदि जीव ने अजीव, पुद्गल पदार्थों से अपना संबंध जोड़ लिया तो फिर उसका संसार परिभ्रमण बढ़ना निश्चित है। आत्मा और कर्मों का संबंध संयोग है। संयोग जहाँ है वहां वियोग है। तीर्थंकर देशना का पहला शब्द है किसी जीव का भी घात मत करो। उन्होंने जिनशासन की आगमिक अहिंसात्मक जीवन शैली पर अपनी चर्चा को आगे बढाते हुए चार प्रकार की हिंसा-संकल्पी हिंसा, आरम्भिक हिंसा, उद्योग हिंसा, विरोध हिंसा आदि पर सारगर्भित विवेचना करते हुए त्रस काय जीवों की रक्षा का संकल्प करने की बात कही।

मोह को त्याग कर हमें अपनी शक्ति को पहचानना चाहिए : अभिजीतमुनि

बेंगलूरु। शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी बावीस सम्प्रदाय जैन संघ ट्रस्ट के गणेश बाग स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित अभिजीतमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि हमें अपने बल, तेज, शक्ति को जागृत करना चाहिए। सभी तरह के बल व शक्ति को नापने के मीटर पैमाने आ गए पर हम मानव होकर भी अपना बल शक्ति भूले हुए हैं। हम अपनी निज आत्मा को भूल गए, मोह में बिल्कुल धूल बन गए हैं। जब आस्था बढेगी तब उत्साह, उमंग जागृत होंगे। रवि मुनिजी ने विपाक सूत्र के माध्यम से बताया कि अशुभ, हिंसा आदि कर्मों के फल भी बुरे ही होते हैं।

पुण्य व सुकृत हमेशा सामूहिक में करना चाहिए : साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्री

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट, बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी प्रियश्रद्धांजनाश्रीजीने ध्यान शतक ग्रंथ की विवेचना करते हुए कहा कि व्यक्ति को पुण्य कर्म में जितना ध्यान रखना होता है उससे अधिक ध्यान हम पाप करते समय रखते हैं। पाप प्रवृत्ति काया से अधिक मन से होती है। मन से जो व्यक्ति पाप कर्म कर रहा है उसका साक्षी कोई देखे या न देखे वह स्वयं तो

उसका साक्षी रहता ही है। उन्होंने कहा, जो व्यक्ति पाप करने के साथ उसकी अनुमोदना वह स्वयं और दूसरों के पापों की अनुमोदना करता है। वह रौद्र ध्यान और आर्त ध्यान करता है। मन, वचन और काया से किए गए पापों की करण, करावण और अनुमोदन से एक सा फल मिलता है। इस तरह पाप के नौ भेद होते हैं। हमारा मन बिजली के जैसा है जो सभी को ऊर्जा प्रदान करता है। व्यक्ति को पाप कभी भी सामूहिक नहीं करना चाहिए, पाप अकेले में अगर हो जाता है तो उसका पश्चाताप भी कर लेना चाहिए। पुण्य(सुकृत) हमेशा सामूहिक में करना चाहिए। सामूहिक रूप से किए गए कार्यों का फल अधिक मिलता है। जाने अनजाने में किए गए छोटे से पाप की भी आलोचना तुरन्त उसी समय कर लेनी चाहिए। प्रत्येक व्यक्ति संयम तो नहीं ले सकता है लेकिन संसार में रहते हुए भी हमें पाप की प्रवृत्तियों से दूर रहना चाहिए।

देशभक्ति व संस्कृति के रंगों से रंगा दिखा 'ए ट्रिब्यूट टू ऑवर स्टेट्स' कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज़ विंग द्वारा शुक्रवार को 'ए ट्रिब्यूट टू ऑवर स्टेट्स' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारत की विविधता, संस्कृति, विरासत और एकता को समर्पित उत्सव था जिसमें 180 सदस्याओं की उपस्थिति थी। साउथ की चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भाषाएँ अनेक, वेश अनेक, रंग अनेक, संस्कार अनेक, फिर भी जो सबको एक सूत्र में बाँधे, वह है मेरा भारत। देशभक्ति केवल सीमा पर लड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने देश की संस्कृति, एकता और मूल्यों का सम्मान करना भी सच्ची देशभक्ति है।

कार्यक्रम की सबसे विशेष प्रस्तुति भारत के विभिन्न राज्यों की एक अद्भुत सांस्कृतिक यात्रा रही जिसमें जम्मू-कश्मीर, कर्नाटक, पंजाब, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र सहित विभिन्न राज्यों की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति, परंपराओं, उपलब्धियों और विशेषताओं का आकर्षक वीडियो प्रदर्शित किया गया।

मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने अपने विचार व्यक्त किए। नाट्य प्रतियोगिता में वर्ष 1947 से 2026 तक भारत की विकास यात्रा को दिखाया गया।कार्यक्रम का संचालन संयोजिका अस्मिता चौहान और सहमंत्री चंद्रा जैन ने किया। इस मौके पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया तथा विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

कृतज्ञता का भाव मन को अधिक शांत, स्थिर और सकारात्मक बनाता है : संतश्री वीरमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के ज्ञानोदय दिगंबर जैन मंदिर, तुबरहल्ली में मुनिश्री वीरसागर जी ने शनिवार को कृतज्ञता के व्यावहारिक लाभ विषय पर प्रवचन देते हुए कहा कि कृतज्ञता केवल धन्यवाद देने की औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह मनुष्य की सोच, भावनाओं, व्यवहार, संबंधों और जीवन-दृष्टि को बदलने वाली एक गहरी आंतरिक साधना है। मुनिश्री ने आध्यात्मिकता को आधुनिक विज्ञान और मनोविज्ञान से जोड़ते हुए समझाया कि व्यक्ति जिस प्रकार की सोच को बार-बार अपने मन में स्थान देता है, उसका प्रभाव उसके मस्तिष्क और व्यवहार पर पड़ता है। लगातार तनाव, चिंता, शिकायत और अत्याधिक चिंतन व्यक्ति को मानसिक अशांति की ओर ले जाते हैं,जबकि कृतज्ञता का भाव मन को अधिक शांत, स्थिर और सकारात्मक बनाने में सहायक होता है। उन्होंने बताया कि कृतज्ञता का अभ्यास मस्तिष्क को तनावपूर्ण अवस्था से विश्राम और संतुलन की अवस्थाकी ओर ले जाने में सहायक हो सकता है। इससे तनाव से जुड़े हार्मोन के प्रभाव को कम करने तथा सकारात्मक भावनाओं को बढ़ाने में सहायता मिलती है।

जिससे आत्मा का वास्तविक हित और कल्याण हो उस कार्य को दें प्राथमिकता : डॉ समकितमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वीवी पुरम स्थित महावीर धर्मशाला में 'संजीवनी चातुर्मास-2026' में शनिवार को डॉ. समकित मुनिजी ने कहा कि जिस दिन मनुष्य के जीवन में धर्म-साधना, सुकृत अथवा सत्कर्म का कोई कार्य नहीं होता, उस दिन को आत्मिक दृष्टि से अशुभ मानना चाहिए। जीवन की सार्थकता इसी में है कि हम अपने प्रत्येक दिन का उपयोग धर्म-ध्यान, प्रभु आराधना और आत्मचिंतन में करें। उन्होंने कहा कि मनुष्य को सदैव पापकर्मों और अशुभ प्रवृत्तियों से बचने का प्रयास करना चाहिए तथा अपनी प्राथमिकताओं में सबसे पहले उस कार्य को स्थान देना चाहिए, जिससे आत्मा का वास्तविक हित और कल्याण हो।

मुनि ने द्रौपदी कथानक के अंतर्गत नागश्री के जीवन से

जुड़े प्रसंगों को अपनी रोचक एवं प्रेरक शैली में प्रस्तुत करते हुए स्थविर धर्मघोष अणगार तथा जैन दर्शन में वर्णित तीन प्रकार के स्थविर-ज्ञान स्थविर, वय स्थविर और दीक्षा स्थविर-के महत्व को रेखांकित किया।

साधकों को सचेत करते हुए उन्होंने कहा, सावधानी हटी, दुर्घटना घटी। मन का थोड़ा सा भी अशुभ अथवा कलुषित भाव आत्मा को दुर्गति की ओर ले जा सकता है। अशुभ भावों से अशुभ गति का ही बंध होता है, इसलिए जब तक जीवन की अंतिम मंजिल प्राप्त न हो जाए, तब तक साधक को अपनी साधना में तनिक भी प्रमाद नहीं करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि साधक का परम लक्ष्य समस्त कर्मों का क्षय कर आत्मा के अनंत सुख एवं शाश्वत स्थान मोक्ष को प्राप्त करना होना चाहिए। हमारी प्रतिदिन की सामायिक साधना वास्तव में समभाव की प्राप्ति की दिशा में एक पावन उपक्रम है। मनुष्य को अपने ज्ञान, तप, त्याग, धन-दौलत, सत्ता अथवा संपदा का रत्तीभर भी अभिमान नहीं करना चाहिए।

मान और अहंकार मुक्ति के मार्ग में सबसे बड़े बाधक तत्व हैं।

भवांतमुनिजी ने श्रद्धालुओं को कठिन तप-साधना के मार्ग पर आगे बढ़ने का पावन पाथेय प्रदान किया। वहीं गायन कुशल जयवंत मुनिजी ने गुरु भक्तिभाव के विचार प्रस्तुत किए। मुख्य प्रवचन के पश्चात जीने की रीति' साहित्य पर आधारित ज्ञानवर्धक प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित की गई। अनेक तपस्वियों ने विभिन्न तप आराधना के प्रत्याख्यान ग्रहण किए।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**